सांध्य दैनिक
4PM
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
• वर्षः 9 • अंकः 258 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, गुरुवार, 26 अक्टूबर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

सत्य एक डेबिट कार्ड है- पहले कीमत चुकाएं और बाद में आनंद लें। झूठ एक क्रेडिट कार्ड है- पहले आनंद लें और बाद में कीमत चुकाएं।
–ब्रह्माकुमारी शिवानी

जिद...सच की

विश्वकप : मैक्सवेल के बाद जम्पा ने... 7 | नेताओं का कहीं पे निगाहें, कहीं... 3 | बच्चों के स्वास्थ्य के साथ यूपी में... 2

विश्वकप मैच के लिए टिकटों की हो रही मारामारी

टिकटों के नाम पर चल रही धोखाधड़ी

लोगों को ऑफलाइन या ऑनलाइन कहीं नहीं मिल रहे टिकट

दोगुने पैसे देने तक पर नहीं मिल रहे टिकट

» इकाना प्रशासन और अधिकारी खामोश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नवाबों के शहर लखनऊ में रविवार 29 अक्टूबर को भारत और इंग्लैंड के बीच आईसीसी क्रिकेट विश्वकप का हाईवोल्टेज मुकाबला खेला जाना है। इस मुकाबले को लेकर पूरे शहर में भारी उत्साह दिखाई दे रहा है। क्योंकि हर कोई अपनी टीम को विश्वकप के अहम मुकाबले में खेलते देखना चाहता है और अपने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाना चाहता है। लेकिन इस बीच दिक्कत ये आ रही है कि लखनऊ के भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में होने वाले इस मैच के लिए टिकट की जबरदस्त मारामारी देखने को मिल रही है। क्योंकि आईसीसी द्वारा बुक माई शो पर टिकट की जो बिक्री की गई है।

वहां पर सारे टिकट सोल्ड आउट दिखा रहा है। जबकि खबरें यहां तक आ रही हैं कि टिकटों को 15 से 20 हजार तक की कीमत पर बेचा जा रहा है, तो वहीं मैच के टिकट के नाम पर कुछ एक वेबसाइटों द्वारा धोखाधड़ी के मामले भी सामने आए हैं। जहां पर लोगों ने ऑनलाइन टिकट खरीदे, लेकिन टिकट मिले नहीं और पैसे भी चले गए। ऐसे में लोगों के बीच मैच के टिकट और पास को लेकर काफी माथापच्ची मची हुई है। क्योंकि न तो टिकट मिल पा रहा है और न ही मैच के पास मिल पा रहे हैं।

टिकट व पास न मिलने के चलते लोगों में इकाना स्टेडियम प्रशासन और बीसीसीआई दोनों के प्रति काफी आक्रोश है। क्योंकि जाहिर है कि पहली बार लखनऊ को विश्वकप के मैच की मेजबानी मिली है। ऐसे में हर कोई अपनी भारतीय टीम का प्रोत्साहन करना चाह रहा है। लेकिन टिकट की मारमारी और कालाबाजारी ने लोगों को खाली हाथ रखा है। लोग टिकट की कीमत से दोगुने पैसे लेकर घूम रहे हैं, लेकिन फिर भी उन्हें टिकट नहीं मिल पा रहा है। न ही ऑनलाइन टिकट मिल रहा है और न ही ऑफलाइन टिकट के लिए कोई विंडो है। ऐसे में लोगों के अंदर नाराजगी बढ़ती जा रही है।

वेन्यू मैनेजर और आईसीसी मीडिया मैनेजर का नहीं उठा फोन

टिकटों की मारामारी और ब्लैकमेलिंग को लेकर जब इकाना के वेन्यू मैनेजर फहीम से बात करने की कोशिश की गई तो उनका फोन ही नहीं उठा। वहीं आईसीसी के मीडिया मैनेजर प्रसन्ना से भी संपर्क नहीं हो पाया। ऐसे में जिम्मेदारों की तरफ से इस बारे में कुछ भी नहीं कहा जा रहा है। जबकि आम जनता टिकट के लिए इधर-उधर परेशान भटक रही है।

इकाना में हुए पिछले मैचों में खाली रहीं थीं कुर्सियां

एक ओर जहां भारत के मैच के लिए टिकटों की मारामारी हो रही है और भारी कीमतों पर भी टिकट नहीं मिल पा रहे हैं। तो वहीं दूसरी ओर लखनऊ के इकाना में हुए पिछले तीन मैचों में स्टेडियम की 90 से 95 प्रतिशत कुर्सियां खाली रही थीं। यानी कि सिर्फ 5 से 6 हजार दर्शक ही बमुश्किल इन मैचों में पहुंचे थे। ऐसे में इस मैच में बीसीसीआई को टिकटों की सहूलियत रखनी चाहिए थी, लेकिन सबसे ज्यादा मारामारी इसी मैच के लिए देखने को मिल रही है। ऐसे में डर ये भी है कि अगर इस मैच में भी सारी कुर्सियां न भरीं और जगह खाली रही, तो बीसीसीआई व इकाना प्रशासन पर और भी सवाल उठेंगे।

आजम ने दिया अजय को झटका

» कांग्रेस अध्यक्ष से जेल में मिलने से किया इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की सीतापुर जेल में बंद आजम खां ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय से मिलने से मना कर दिया है। अजय राय गुरुवार को आजम खां से जेल में मिलने वाले थे लेकिन सूत्रों के मुताबिक, आजम खान ने यह कहते हुए अजय राय से मिलने से मना कर दिया कि वह किसी राजनैतिक दल के नेता से नहीं मिलना चाहते। अजय राय ने बीते दिनों कहा था कि आजम खान का पूरा परिवार परेशान है। इसलिए वह उनसे मिलना चाहते हैं। हालांकि अजय राय वहां पहुंचे पर उन्हें प्रशासन ने रोक दिया।

दरअसल, बेटे अब्दुल्ला आजम खां के फर्जी जन्म प्रमाणपत्र के मामले में पूरा आजम परिवार ही जेल में है। साल 2017 का विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए अब्दुल्ला ने अपनी उम्र ज्यादा दिखाई थी। आरोप था कि आजम खान ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए अब्दुल्ला का फर्जी बर्थ सर्टिफिकेट बनवाया था। इस मामले में कोर्ट ने आजम खान, उनकी पत्नी तंजीन फातमा और बेटे अब्दुल्ला को दोषी पाया था। सभी को 7-7 साल की जेल की सजा सुनाई गई। सजा सुनाए जाने के बाद आजम खान को सीतापुर जेल भेज दिया। उनकी सजा को लेकर विपक्षी दलों ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला। यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने भी आजम खां के परिवार को परेशान किए जाने का मुद्दा उठाते हुए बीजेपी सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि इस मुश्किल वक्त में हमारा फर्ज बनता है कि हम आजम खां के साथ खड़े हों।

केवल पारिवारिक सदस्यों से मिलूंगा : आजम खां

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो आजम खान ने अजय राय से मिलने से मना कर दिया है। आजम खां ने कहा है कि परिवार के लोगों के अलावा वह किसी से नहीं मिलेंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि वह इस महीने जेल में सिर्फ एक ही बार किसी से मिल सकते हैं। ऐसे में वह अपने परिवार के ही किसी सदस्य से मिलना चाहेंगे।

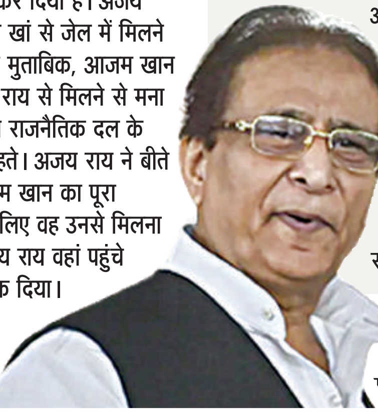

एथिक्स कमेटी के सामने हाजिर हुए निशिकांत और जय अनंत

» घूसकांड केस की बैठक जारी, 31 अक्टूबर को महुआ से पूछताछ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महुआ मोइत्रा घूसकांड में लोकसभा की एथिक्स कमेटी की बैठक जारी है। इस मामले में कमेटी ने जय अनंत देहाद्राई से पूछताछ की जा रही है। एथिक्स कमेटी टीएमसी सांसद पर लगे आरोपों की जांच करेगी। जय अनंत देहादराई अपना बयान अभी दर्ज करवा रहे हैं। मिल रही जानकारी के अनुसार देहाद्राई एक बार अपना बयान दर्ज करवाकर बाहर निकले हैं। उसके थोड़ी देर बाद उन्हें फिर कमरे में बुलाया गया है, बीजेपी नेता निशिकांत दुबे भी अब एथिक्स कमेटी के समक्ष अपना बयान दर्ज कराने पहुंचे हैं। महुआ को 31 अक्टूबर को बुलाया गया है। वह 11 बजे अपना पक्ष रखेंगी।

बता दें कि टीएमसी की सांसद महुआ मोइत्रा पर पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने का आरोप लगा है, इस मामले में भाजपा तृणमूल कांग्रेस यानी टीएमसी पर शुरू से ही हमलावर रही है।

बच्चों के स्वास्थ्य के साथ यूपी में हो रहा खिलवाड़ : अखिलेश

» बोले- तत्काल जांच कर सख्त से सख्त सजा दें

» संक्रमित खून चढ़ाने से 14 बच्चे एचआईवी पॉजिटिव होने पर पूर्व सीएम नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कानपुर में संक्रमित खून चढ़ाने के कारण गंभीर बीमारियों की चपेट में आए बच्चों के मामले पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने तत्काल मामले की जांच करने और दोषियों को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि उत्तर प्रदेश में संक्रमित खून चढ़ाने से 14 बच्चों को एचआईवी और हेपेटाइटिस का संक्रमण होना बेहद गंभीर बात है। इस लापरवाही की तत्काल जांच हो और इस तरह की घातक गलती की सख्त से सख्त सजा दी जाए। उत्तर प्रदेश में चिकित्सा व्यवस्था देखने वाला कोई नहीं है।

कानपुर में संक्रमित खून चढ़ने के कारण थैलेसीमिया के 14 पीड़ित गंभीर बीमारियों की चपेट में आ गए हैं। ये हेपेटाइटिस बी, सी के साथ-साथ एचआईवी पॉजिटिव भी पाए गए हैं। हैलट के बालरोग अस्पताल के थैलेसीमिया सेंटर में जब रोगियों की जांच की गई तो संक्रमण पता चला है। थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को तीन से चार सप्ताह में एक बार खून जरूर चढ़ता है। इन्हें साल में 18 से 20 बार खून की जरूरत पड़ती है। आशंका है कि विंडो पीरियड में लिए गए खून को चढ़ाए जाने से इन पीड़ितों को संक्रमण हुआ है। इससे पहले समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने यूपी की योगी सरकार पर स्वास्थ्य सुविधाओं में हिलाहवाली पर जमकर निशाना साधा था। उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं सुधरने वाली नहीं हैं। डेंगू-मलेरिया, बुखार के मरीजों की अस्पतालों में लम्बी-लम्बी लाइनें लग रही हैं। डॉक्टर, मेडिकल स्टाफ की भारी कमी के चलते मरीज बिना इलाज भटक रहे हैं।

विश्व कप मैच देखने जाएंगे सपा प्रमुख!

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव 29 अक्टूबर को इकाना स्टेडियम में भारत-इंग्लैंड के बीच होने वाले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच देखने जाएंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि यह समाजवादियों का बनाया हुआ स्टेडियम है। लखनऊ और यूपी को गर्व है कि एक बेहतरीन मैच अंतराष्ट्रीय स्तर के स्टेडियम में देखने को मिल रहा है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि उन्हें मैच देखने जाना चाहिए। साथ ही जोड़ा कि अगर पत्रकार मैच देखने जाएंगे तो वह वहां जरूर जाएंगे। उधर, सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा कि लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 29 अक्टूबर को भारत-इंग्लैंड के बीच अंतराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के आयोजन की चर्चा ब्रिटेन समेत पूरी दुनिया में है। इससे पहले राजधानी लखनऊ में अंतराष्ट्रीय स्तर के मैच देखने के लिए लोग तरसते थे। सपा की अखिलेश सरकार ने लखनऊ में अंतराष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम बनवाया। चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री बनने पर अखिलेश यादव ने आईएएस अफसरों के साथ मैच की शुरुआत की थी। लंदन के सुप्रसिद्ध हाईड पार्क के क्षेत्रफल के बराबर लखनऊ में जनेश्वर मिश्र पार्क का निर्माण कराया।

पीएम अगर हरमंदिर साहिब के मॉडल नहीं संभाल सकते तो वापस कर दें : सुखबीर

» स्वर्ण मंदिर के मॉडल की नीलामी पर बरसे बादल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विभिन्न अवसरों पर मिले तोहफों, स्मृति चिह्नों की ई-नीलामी का ऐलान किया गया है। इसके तहत प्रधानमंत्री को एसजीपीसी द्वारा भेंट किए श्री हरमंदिर साहिब के मॉडल की भी ई-नीलामी की जा रही है। इस पर शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सुखबीर सिंह बादल ने कड़ा ऐतराज जताया है। अपने ट्वीटर हैंडल पर सुखबीर बादल ने लिखा- मुझे यह जानकर गहरा दुख हुआ है कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेंट किए सचखंड श्री हरमंदिर साहिब के पावन मॉडल को सरकार नीलामी के तहत बेचने जा रही है।

यह मॉडल अकाल पुरुष और गुरु साहिबान की बख्शीश और आशीर्वाद के पवित्र चिह्न के रूप में भेंट किया गया था और इसे नीलाम करना इसका घोर निरादर होगा। इससे सिख कौम की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचेगी। सुखबीर बादल ने आगे लिखा- मेरी प्रधानमंत्री को नम्रतापूर्वक विनती है कि इस नीलामी को तुरंत रोका जाए। अगर सरकार खुद को इस पावन और अनमोल बख्शीश को संभालने में असमर्थ महसूस करती है तो इस पवित्र चिह्न को एसजीपीसी को वापस सौंपने की कृपा की जाए। गौरतलब है कि केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को मिले विभिन्न तोहफों और स्मृति चिह्नों की ई-नीलामी शुरु की गई है।

पंजाब मे मान सरकार सिर्फ ध्यान भटका रही है : सिद्धू

» कहा- सूबे में अब भी माफिया राज चल रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जालंधर। नवजोत सिंह सिद्धू ने पंजाब सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा है कि सूबे में माफिया अभी भी चल रहा है। रेत व अवैध शराब का धंधा तेजी से चल रहा है। सिद्धू ने सरकार पर असल मुद्दों को भटकाने और सभी का ध्यान सतलुज-यमुना लिंक मुद्दे पर केंद्रित करने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि पंजाब के पास पानी कम है लेकिन जो पानी है, उसे बचाने के लिए सरकार कुछ नहीं कर रही है।

पंजाब के कई इलाकों में पानी पीने योग्य नहीं है। सिद्धू ने कहा कि ये पंजाब की त्रासदी रही है। लोगों ने अपने फायदे के लिए सिस्टम को बदल दिया और पंजाब को पीछे धकेल दिया। आज भी असली मुद्दों से ध्यान को भटकाया जा रहा है। असल लड़ाई तो पंजाब को बचाने की है। पंजाब में पानी की कमी है। 10 सालों में बारिश 30 प्रतिशत कम हुई है। पंजाब के पास पानी देने के लिए नहीं है लेकिन ये सिर्फ भटकाने के लिए उठाया गया।

बीजेपी ने सरकारी खजाने को लूटा था : सुक्खू

» बोले- दिनचर्या का खर्च निकालने को भी नहीं थे पैसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी तो सरकारी खजाना खाली था। दिनचर्या का खर्च निकालने के पैसे भी उनके पास नहीं थे। भाजपा ने बुरे तरीके से धन का दुरुपयोग किया था। इसके बाद प्रदेश में आपदा आई। विपक्ष के नेताओं ने आपदा के समय सिर्फ राजनीतिक रोटियां सेंकी हैं। जब साथ देने का समय आया तो वह मूकदर्शक बने रहे। कांग्रेस के सभी मंत्री और विधायक स्वयं मैदान में उतर गए। केंद्र सरकार से भी आपदा के लिए जो प्रदेश का हक बनता है, वह मांगा गया, लेकिन नहीं मिला। प्रदेश भाजपा नेताओं ने इसमें भी साथ नहीं दिया। उन्होंने कि आने वाले समय में प्रदेश को अपने पैरों पर खड़ा होना है।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सही करना है। इसके लिए सभी के प्रयास आवश्यक हैं। 90 प्रतिशत आबादी गांव में रहती है, इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों में व्यवस्था सही करना आवश्यक है। सुक्खू ने कहा कि बेहतर शिक्षा प्रदेश में अच्छे स्वास्थ्य की नींव रखेगी। प्रदेश सरकार हर विधानसभा क्षेत्र में डे बोर्डिंग स्कूल खोल रही है। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि चार साल में प्रदेश कि अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाएंगे और और दस साल में देश का सबसे समृद्ध और अमीर राज्य बनाएंगे।

ओपीएस कर्मचारियों के लिए आत्म सम्मान

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह स्वयं एक कर्मचारी के बेटे हैं। इसलिए ओपीएस का महत्व जानते हैं। ओपीएस मिलने से कर्मचारियों ने राहत की सांस ली हैं। कांगड़ा में जब वह एक ओपीएस लाभार्थी महिला से वह मिले तो उसने बताया कि पहले उसे चार हजार रुपये मिलते थे और अब 40,000 मिलते हैं। इसमें से दस हजार उसने राहत कोष के लिए दान किए। ओपीएस कर्मचारियों के आत्म सम्मान की बात है।

भाजपा ने राजनीतिक लाभ के लिए खोले संस्थान

मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव से पहले भाजपा ने बहुत अधिक स्वास्थ्य, शिक्षण सहित अन्य संस्थान खोल दिए। ये सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए खोले गए थे। यदि इन्हें बंद नहीं किया जाता तो प्रदेश सरकार पर 5,000 करोड़ का अतिरिक्त भार पड़ता और जिस समय उन्होंने कार्यभार संभाला, उस समय प्रदेश पर 75,000 करोड़ का कर्ज था। इस स्थिति से प्रदेश को बाहर निकालने के लिए प्रदेश सरकार बेहतरीन कार्य कर रही है।

दिल्ली का प्रदूषण रोकने में अड़ंगा बन रहे अधिकारी : गोपाल राय

दिल्ली सरकार और अधिकारियों में फिर रार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बढ़ते प्रदूषण स्तर के बीच दिल्ली सरकार और अधिकारियों के बीच फिर विवाद खड़ा हो गया है। दिल्ली सरकार ने आरोप लगाया है कि उपराज्यपाल को मिली अतिरिक्त शक्तियों के बाद से अधिकारी मनमानी कर रहे हैं। ऐसे में इस बार प्रदूषण के नियंत्रण को लेकर की जा रही कोशिश की मुहिम फंस गई है। दिल्ली सचिवालय में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय व सर्विसेज मंत्री आतिशी ने आरोप लगाया कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के चेयरमैन अश्वनी कुमार ने प्रदूषण को नियंत्रित करने की मुहिम को पंगु बना दिया है।

कैबिनेट के फैसले को पलटते हुए आईआईटी कानपुर को बकाया राशि का भुगतान रोक दिया। इस कारण रियल टाइम सोर्स अपोर्शनमेंट अध्ययन का काम ठप हो गया है और दिल्ली सरकार को प्रदूषण के वास्तविक स्रोतों का डाटा मिलना बंद हो गया है।सरकार ने आईआईटी कानपुर के साथ मिलकर प्रदूषण के वास्तविक स्रोत का पता लगाने के लिए देश में पहली बार इस तरह की स्टडी कराने का फैसला लिया था। स्टडी पर 12 करोड़ खर्च होने हैं। इनमें से 10.60 करोड़ आईआईटी कानपुर को दिए जा चुके हैं। सर्दियों में बढ़ते प्रदूषण का वैज्ञानिक विश्लेषण करने के लिए इस डाटा की जरूरत थी, ताकि उचित कार्रवाई की जा सके, लेकिन अश्वनी कुमार ने संबंधित मंत्री और कैबिनेट को बिना बताए ऐसा फैसला लिया। बता दें कि दिल्ली में 7 जुलाई 2021 को कैबिनेट ने रियल टाइम सोर्स अपोर्शनमेंट स्टडी कराने का निर्णय लिया था।

अश्वनी को किया जाए निलंबित

गोपाल राय ने कहा कि इस मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को नोट भेजा है। हमने मांग की है कि अश्वनी कुमार को तत्काल निलंबित किया जाए कार्रवाई की जाए। कैबिनेट के निर्णय के अनुसार आईआईटी कानपुर को बकाया 2 करोड़ रुपये तत्काल जारी किए जाएं, ताकि अध्ययन शुरू किया जा सके। साथ ही, शीतकालीन सत्र के समापन के बाद इस क्षेत्र के विशेषज्ञ वैज्ञानिकों से अध्ययन रिव्यू कराया जाए, ताकि आगे निर्णय लिया जा सके।

आतिशी और सौरभ के विभाग एक-दूसरे से बदले

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कैबिनेट में मामूली विभागीय फेरबदल किया है। अब सौरभ भारद्वाज की जगह आतिशी जल विभाग देखेंगी। जबकि पर्यटन, कला और संस्कृति सौरभ भारद्वाज देखेंगे। आतिशी और सौरभ भारद्वाज को तत्कालीन उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के जेल जाने के बाद मंत्री बनाया गया था। मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के विभागों को आतिशी व सौरभ भारद्वाज के बीच बांटा गया था।अतिशी और सौरभ भरद्वाज के विभाग एक-दूसरे से बदले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कैबिनेट में मामूली विभागीय फेरबदल किया है। अब सौरभ भारद्वाज की जगह आतिशी जल विभाग देखेंगी। जबकि पर्यटन, कला और संस्कृति सौरभ भारद्वाज देखेंगे।

नेताओं का कहीं पे निगाहें, कहीं पे निशाना!

भाजपा व कांग्रेस में एक-दूसरे पर वार-पलटवार शुरू

» विधान सभा चुनाव के सहारे लोस चुनाव पर नजर
» पीएम मोदी पर विपक्ष का चौतरफा हमला
» छत्तीसगढ़ में बघेल और रमन में रार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच राज्यों में चुनावी प्रचार में तेजी आ गई है। इन राज्यों के साथ सभी सियासी दल लोकसभा चुनाव पर भी नजर रखकर जनता के बीच मुद्दे उठा रहे हैं। हालांकि सारे बड़े नेता यही कह रहे हैं लोकसभा व विधानसभा के मुद्दे अलग-अलग होते हैं। पर कुल मिलाकर विपक्ष के निशाने पर सब जगह बीजेपी व प्रधानमंत्री मोदी ही हैं। मोदी भी जिन राज्यों में जा रहे अपने चेहरे को आगे कर रहे हैं ऐसे में चर्चा ये भी है कि अगर पांचों राज्यों में बीजेपी को नुकसान हुआ तो ऐसा माना जाएगा मोदी को लोकसभा चुनाव में भी झटका लग सकता है। खैर इसबार 14 व 19 की तरह जनता का मूड समझ में नहीं आ रहा है। इसमें कोई दो राय नही कि इसबार लोक सभा चुनाव में मोदी का जादू थोड़ा मद्धिम पड़ेगा और राहुल गांधी का प्रभाव कुछ तेज हो सकता है। क्षेत्रीय नेताओ का भी अपने-अपने राज्यों में रुतबा बढ़ सकता है। अब विधानसभा चुनावों के परिणाम के बाद ही पता चलेगा की सत्ता का ऊंट किस करवट (एनडीए या आईएनडीआईए गठबंधन की तरफ) बैठता है।

उधर छत्तीसगढ़ विधान चुनाव में कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी ने अपने-अपने तलवारों में धार देना शुरू कर दिया है। दोनों ही एक-दूसरे पर जोर-शोर से निशाना साध रही हैं। चुनावी जंग सोशल मीडिया पर भी देखने को मिली रही है। जहां बीजेपी आए दिन कांग्रेस और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को टारगेट करती रहती है, इसके उलट कांग्रेस और सीएम भूपेश बघेल भी पलटवार करते है, वे पूर्व मुख्यमंत्री डॉक्टर रमन सिंह के कारनामें गिनाने लगते हैं, हाल ही में एक भूपेश बघेल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट करते हुए, ईडी को भी अपने घेरे में लिया है। उन्होंने कहा है कि ईडी ने मनगढ़ंत आरोप लगाकर बीजेपी को चुनावी मुद्दा दिया है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि ईडी ने एक बार फिर मनगढ़ंत आरोप लगाकर भाजपा को एक चुनावी मुद्दा दिया है। अमित शाह के इशारे पर अबकी बार वे चावल घोटाले की बात कर रहे हैं, रमन सिंह 15 साल मुख्यमंत्री रहे हैं, पर उनके बयान से ज़ाहिर है कि उन्हें कामकाज का अंदाज़ा अभी भी नहीं हुआ है। अपनी पोस्ट में सवाल उठाते हुए सीएम लिखते हैं कि कस्टम मिलिंग के चार्ज तो वर्ष 2022-23 से ही बढ़ाए गए हैं यानी अभी एक ही साल का भुगतान हुआ है, तो चार साल के घोटालों का हिसाब कहां से आ गया?। ईडी ने एक बार फिर मनगढ़ंत आरोप लगाकर भाजपा को एक चुनावी मुद्दा दिया है। अमित शाह के इशारे पर अबकी बार वे चावल घोटाले की बात कर रहे हैं। भूपेश बघेल आगे लिखते हैं कि ईडी ने 10-12 राइस मिलरों से बयान लेकर अनुमान लगा लिया है, अगर एजेंसी 2,200 मिलरों के बयान दर्ज कर ले फिर किसी आंकड़े की बात करे, सरकार को बदनाम करने के लिए आंकड़े जारी न करे। सीएम भूपेश बघेल पूर्व मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए लिखते हैं रमन सिंह जब प्रदेश के मुखिया थे तो हर साल किसानों से खरीदे गए 60-70 लाख टन धान की मिलिंग भी नहीं हो पाती थी। सुखत, चोरी, ब्याज़, संग्रहण केंद्रों के रखरखाव और धान के ख़राब होने से हर साल सैकड़ों करोड़ का नुक़सान होता था। वे जनता को यह नहीं बताएंगे कि कस्टम मिलिंग की नई प्रणाली शुरु होने के बाद 97 लाख टन धान का उठाव बरसात से पहले ही हो गया और राज्य की 2000 करोड़ रुपयों की बचत हुई है। ईडी झूठे आंकड़े इसीलिए जारी कर रही है जिससे कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार को बदनाम करने के लिए भाजपा को हथियार मिल सके। सोशल मीडिया पोस्ट के अंत में बघेल लिखते हैं कि ये पब्लिक है डॉक्टर साहब! ये सब जानती है. वो देख रही है कि कैसे भाजपा ईडी, आईटी और सीबीआई जैसी एजेंसियों की सहायता से चुनाव लड़ना चाहती है।

बदनाम सरकार की बदनामी ही होगी : भाजपा

भूपेश बघेल की इस पोस्ट पर छत्तीसगढ़ बीजेपी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से जवाब देते हुए लिखा है कि बदनाम सरकार की बदनामी! जैसे-जैसे भूपेश सरकार के घोटाले की परत खुलते जा रही है वैसे-वैसे भूपेश बघेल रटा रटाया जवाब देने माइक पकड़ लेते है। प्रदेश की जनता को पता है कि पिछले 5 साल में कांग्रेस सरकार ने जो-जो योजना बनाई उसका उद्देश केवल और केवल भ्रष्टाचार कर पैसे सकेलना था। जैसे-जैसे भूपेश सरकार के घोटाले की परत खुलते जा रही है वैसे-वैसे भूपेश बघेल रटा रटाया जवाब देने माइक पकड़ लेते है। प्रदेश की जनता को पता है कि पिछले 5 साल में कांग्रेस सरकार ने जो-जो योजना बनाई उसका उद्देश केवल और केवल भ्रष्टाचार कर पैसे सकेलना था। छत्तीसगढ़ बीजेपी ने आगे लिखा है कि पहले कोयला में मुंह और हाथ दोनों काला किए फिर शराब घोटाले में डूबे। इससे भी जी नहीं भरा तो डीएमएफ में लूट-पाट किया। जल जीवन योजना में डकैती किया। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में अरबों के चावल की डकैती की। राशन दुकानों के बचत चांवल को बेच खाए, कस्टम मिलिंग में कमीशनखोरी करने के लिए 40 रुपए प्रति क्विंटल लूट लिए, सभी के प्रमाण मिले है, भूपेश बघेल ने सुप्रीम कोर्ट से याचिका वापस लेकर सिद्ध कर दिया है कि केवल ढोंग कर रहे है।

बिहार में चलेगा जाति का ब्रह्मास्त्र या धर्म का शास्त्र

चुनावी जंग के लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष हथियारों से लैस हो रहे हैं। बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए अपने कार्यकाल की उपलब्धियां जनता के सामने रखेगा। अयोध्या में राम मंदिर बनाने का अपना वादा पूरा करने का बखान करेगा। यानी धर्म उसका सबसे बड़ा हथियार है। विपक्षी इंडिया के पास जाति सर्वेक्षण का ब्रह्मास्त्र भी होगा। पटना। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए हर दल या गठबंधन अपने-अपने अस्त्र-शस्त्र को धार देने में जुटा है। विपक्षी गठबंधन इंडिया के पास महंगाई-बेरोजगारी जैसे पारंपरिक मुद्दों के अलावा अब जाति का ब्रह्मास्त्र हाथ लग गया है। हालांकि अभी तक इसका परीक्षण नहीं हो पाया है, जिससे भरोसा किया जा सके कि यह धोखा नहीं देगा। ऐसा सोचने या कहने का आधार यह है कि मंडल आयोग की रिपोर्ट से पिछड़ों को जिस संजीवनी की उम्मीद की जा रही थी, उसकी असलियत अब सामने है। मंडल पर कमंडल की राजनीति का कमाल ही है कि आज भाजपा प्रचंड बहुमत से दूसरी बार केंद्र की सत्ता में सफलतापूर्वक अपना कार्यकाल पूरा करने जा रही है। हालांकि इस दफे लोकसभा चुनाव 2024 की शुरुआत बिहार से हुई है। एडीए ने कमंडल का दिव्यास्त्र निकाला है तो जवाब में इंडिया गठबंधन ने जाति का ब्रह्मास्त्र निकाला है। कमंडल के बिना मंडल की राजनीति कभी कामयाब नहीं रही। यह सभी जानते हैं कि मंडल की राजनीति के धुरंधर खिलाड़ी भी बिना कमंडल कभी कामयाब नही हो पाए। भाजपा ने न सिर्फ नीतीश कुमार को सीएम के पद पर बिठाया, बल्कि अपने मुखर विरोधी लालू प्रसाद यादव के लिए सत्ता में आने की सीढ़ी बनी। भाजपा से खार खाने वाली बंगाल की सीएम ममता बनर्जी की राजनीतिक चमक केंद्र की भाजपा सरकार में मंत्री बनने के बाद ही बढ़ी। मंडल कमीशन की रिपोर्ट को हरी झंडी दिखाने वाले विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार भी भाजपा के सहारे ही बनी थी। यानी भाजपा की कमंडल की राजनीति हमेशा मंडल की राजनीति करने वालों की सहयोगी रही है। याद करें वर्ष 1989-90 का वह दौर, जब भारतीय समाज मंडल के कारण साफ-साफ दो हिस्सों में बंट गया था। देश में विद्वेष की आग इतनी लहक चुकी थी कि खून की नदी की नौबत आ गई थी। भाजपा के कमंडल ने ही समाज को तब जोड़ने का काम किया। लालकृष्ण आडवाणी की राम मंदिर निर्माण के निहितार्थ निकाली गई रथयात्रा ने मंडल की आग पर पानी फेरने का काम किया। देश में शांति बहाल हुई। आडवाणी का रथ रोक कर लालू ने उन्हें गिरफ्तार कराया। पर, यह जनता को नहीं जंचा और मंडल के सहारे सत्ता में पांव जमाए लालू यादव को जनता ने खारिज कर दिया। भाजपा ने आरंभ से अब तक अपना नुस्खा अपनाना जारी रखा है तो इसके पीछे उसके नेताओं का गंभीर मनन-चिंतन है। उनकी आस्था आज भी कमंडल में है। लोकसभा चुनाव की घोषणा के ऐन वक्त पर अयोध्या में राम मंदिर आम जन के दर्शन के लिए खोल दिया जाएगा। राम मंदिर की प्रतिकृति की पहुंच हिन्दू घरों में होने लगी है। भाजपा का धुर विरोधी और विपक्ष के किसी भी दल का समर्थक हिंन्दू परिवार क्या उसे अपने घर में रखने से परहेज करेगा ? समर्थक ही क्यों, विपक्षी दलों का कोई भी नेता हिकारत की हिम्मत जुटा पाएगा? भाजपा को भावनाएं भुनाने की कला आती है। जन मन की बात भांपने में भाजपा से आगे कोई निकल कर तो दिखाए ! लेने के देने पड़ जाएंगे।

मप्र में सियासी दलों ने रिश्तों में डाली चुनावी दरार

प्रदेश की 5 विधानसभा सीटों पर इस बार परिजनों या रिश्तेदारों में चुनावी मुकाबला देखने को मिलेगा। जैसे एक सीट है डबरा की। यहां इमरती देवी और सुरेश राजे आमने-सामने हैं। मध्य प्रदेश में चुनावी बिगुल बग चुका है। प्रदेश में 17 नवंबर को एक ही चरण में वोट डाले जाएंगे और नतीजों का एलान तीन दिसंबर को किया जाएगा। चुनावी सरगर्मी के बीच कांग्रेस और बीजेपी ने करीब- करीब अपने सारे प्रत्याशी चुन लिए हैं, हालांकि, कुछ सीटें ऐसी जरूर हैं, जहां दोनों पार्टियों ने जिन उमीदवारों के नामों का एलान किया है, उनको लेकर पार्टी के लोगों के बीच ही विवाद देखने को मिल रहा है। ऐसी सीटों में से एक है दतिया यहां से कांग्रेस ने पहले अवधेश नायक को उमीदवार बनाया, लेकिन कार्यकर्ताओं की मांग पर उनका टिकट काट दिया गया। इसके बाद अब पार्टी ने दतिया से राजेंद्र भारती को मैदान में उतारा है। उनका मुकाबला बीजेपी उमीदवार और प्रदेश के मौजूदा गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा से होगा। वहीं दूसरी तरफ इस बार एमपी चुनाव में भाई-भाई, चाचा-भतीजे यहां तक की समधी-समधन भी आमने- सामने दिखाई देंगे। बता दें प्रदेश की पांच विधानसभा सीटों पर इस बार परिजनों या रिश्तेदारों में चुनावी मुकाबला देखने को मिलेगा। इनमें पहले सीट है डबरा की। यहां इमरती देवी और सुरेश राजे आमने-सामने हैं. दोनों समधी-समधन हैं। यही नहीं इमरती देवी और सुरेश राजे तीसरी बार एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। इन दोनों को ही एक-एक बार जीत मिली है. दूसरी सीट जहां परिजन आमने-सामने हैं, वो है सागर सीट।

सागर विधानसभा सीट पर बीजेपी विधायक शैलेंद्र जैन का मुकाबला निधि जैन से होगा, लेकिन दिलचस्प बात ये है कि निधि जैन शैलेंद्र के छोटे भाई सुनील जैन की वाइफ हैं। वहीं नर्मदापुरम सीट से इस बार दो भाई आमने- सामने हैं। यहां बीजेपी के सीतासरन शर्मा और गिरिजाशंकर शर्मा के बीच मुकाबला है। बता दें कि ये दोनों ही भाई बीजेपी से भी विधायक रहे हैं. वहीं टिमरनी सीट पर चाचा का मुकाबला भतीजे से होगा। इस सीट पर विधायक चाचा संजय शाह बीजेपी से तो वहीं उनके भतीजे अभिजीत शाह कांग्रेस से चुनावी ताल ठोकते नजर आएंगे। ऐसा दूसरी बार है, जब ये चाचा-भतीजा आमने-सामने हैं. पिछले चुनाव में चाचा ने यहां भतीजे को मात दे दी थी। आखिरी सीट जिस परिजन आमने- सामने चुनाव लड़गें वो है, देवतलाब सीट। यहां भी चाचा-भतीजे के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा। बीजेपी की ओर से यहां से विधानसभा के अध्यक्ष गिरीश गौतम ताल ठोकते नजर आएंगे. वहीं कांग्रेस ने उनके भतीजे पद्मेश गौतम को टिकट दिया है।

कांग्रेस का जातियों की आबादी के हिसाब से आरक्षण का वादा

कांग्रेस क्यों भूल जाती है कि बिहार के जिस जाति सर्वेक्षण पर राहुल गांधी इतरा रहे हैं, उसके लिए मंडल कमीशन की सौंपी रिपोर्ट उनके दादी-पिता ने ही कबाड़खाने में डाल रखा था। इसका उन्हें जीते जी लाभ भी मिला। सवर्णों का लंबे वक्त तक कांग्रेस का साथ मिलता रहा। अब बिहार की जाति गिनती वाली रिपोर्ट निकली तो आबादी के हिसाब से राहुल आरक्षण की बात कह रहे हैं। हालांकि समझदार जानते हैं कि यह इतना आसान नहीं है। ऐसा करने के लिए उन्हें पहले सत्ता में आना होगा। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट की ओर से आरक्षण की तय सीमा की बाधा पार करनी होगी। हां, उनके इस वादे से लंबे समय तक साथ देने वाले सवर्ण समर्थक बिदक गए तो फिर कांग्रेस का आधार वोट बैंक ही खाली हो जाएगा। वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक मामलों के जानकार सुरेन्द्र किशोर कहते हैं- लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राजीव गांधी ने मंडल आरक्षण (1990) पर ढुलमुल नीति अपना कर अपना बहुत सारा पिछड़ा वोट खो दिया था। उसके बाद से कांग्रेस को कभी लोकसभा में अपना बहुमत नहीं मिला। अब राहुल गांधी कह रहे हैं कि सत्ता में आने के बाद हमारी सरकार जाति सर्वेक्षण कराएगी। अच्छी बात है। जरूर कराइएगा। उसकी जरूरत भी है। पर, आपके इस वायदे के बाद अब इसका आपके समर्थक सवर्ण वोट पर कैसा असर पड़ेगा? जरा इसका भी आकलन कर लीजिए।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

भारत व इंडिया पर सियासत अनुचित

एनसीईआरटी ने अपने किताबों में इंडिया की जगह भारत लिखने का सुझाव सरकार को दिया है। इस पर सियासत शुरू हो गई है। विपक्ष ने बीजेपी सरकार पर उंगली उठाई है। यह सुझाव सही है या गलत, ये बहस का मुद्दा हो सकता है। पर इस पर सियासत उचित नहीं है। अगर विपक्ष को नीचा दिखाने के लिए सत्ता पक्ष ऐसे फैसले ले रहा है तो यह लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। जहां तक भारत और इंडिया शब्द का मामला इन दोनों को हमारे संविधान में उचित सम्मान प्राप्त है। वहीं इस मामले में विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार पर हमला बोलना शुरू कर दिया है। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने एनसीईआरटी पैनल की सिफारिश पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्र के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इस सरकार के साथ कुछ गलत हुआ है। वे भारतीयों के दिमाग को भ्रमित क्यों कर रहे हैं? उन्होंने जो भी रुख अपनाया है वह पूरी तरह से जनविरोधी और भारत विरोधी है।

कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा, हम रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस और इंडियन फॉरेन सर्विसेज क्यों कह रहे हैं? हमारे पासपोर्ट में रिपब्लिक ऑफ इंडिया है। मैं आपको बता रहा हूं कि उन्हें (एनसीईआरटी) एनडीए सरकार द्वारा मजबूर किया गया है। ये बिल्कुल गलत है। आप इंडिया का इतिहास नहीं बदल सकते। कर्नाटक में जो पहले था वही जारी रहेगा। एनसीईआरटी द्वारा गठित एक समिति ने किताबों में इंडिया को बदलकर भारत करने की सिफारिश की थी। पैनल द्वारा पुस्तकों के अगले सेट में इंडिया के बजाय भारत प्रिंट करने के प्रस्ताव को सदस्यों ने सर्वसम्मति से स्वीकार कर लेने पर किताबों में बदलाव देखने को मिल सकता है। यह प्रस्ताव कुछ महीने पहले रखा गया था। प्रस्ताव के तहत पाठ्यपुस्तकों में इंडिया के स्थान पर भारत नाम रखने, पाठ्यक्रम में प्राचीन इतिहास के बजाय शास्त्रीय इतिहास को शामिल करने और भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) को शामिल करने का सुझाव दिया गया है। दरअसल, विपक्षी दलों ने आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर करने की अपनी कवायदों के क्रम में एक गठबंधन बनाया था। इसका नाम उन्होंने इंडिया रखा था। तभी से इस पर सियासत शुरू हो गई थी। वहीं, बाद में जब राष्ट्रपति की ओर से 9 सितंबर को जी-20 कार्यक्र म के दौरान भारत मंडपम में आयोजित होने वाले डिनर के निमंत्रण पत्र में इंडिया की बजाय भारत लिखा गया था। राजनीतिक पार्टियों का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार देश के नाम पर भी हमला कर रही है। सरकार को ऐसे फैसले लने से पहले आम जन की रायशुमारी भी करनी चाहिए।

> **“ जहां तक भारत और इंडिया शब्द का मामला इन दोनों को हमारे संविधान में उचित सम्मान प्राप्त है। वहीं इस मामले में विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार पर हमला बोलना शुरू कर दिया है। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने एनसीईआरटी पैनल की सिफारिश पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्र के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इस सरकार के साथ कुछ गलत हुआ है।**

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विकास के दौर में भरपेट भोजन की आकांक्षा

सुरेश सेठ

भारत प्रगति के पथ पर है। साल 2047 तक उसे विकासशील के वर्ग से निकलकर विकसित देश हो जाना है। एक दशक में भारत दसवें नंबर की अर्थव्यवस्था से तरक्की करके दुनिया की पांचवीं आर्थिक महाशक्ति बन गया। अनुमान हैं दो साल के अंदर हम तीसरी आर्थिक शक्ति बन जाएंगे। लक्ष्य तो चीन और अमेरिका को पछाड़कर दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन जाने का है। निश्चय ही 500 अरब करोड़ के निवेश वाले देश से 1000 अरब करोड़ रुपये के निवेश वाले देश बनने का सपना भी भारत देखने लगा है। हालिया इंडिया रिच लिस्ट 2023 के मुताबिक, अरबपति उद्यमियों की संख्या देश में बढ़कर 1319 हो गई है। लेकिन बड़ी बात यह कि पिछले पांच साल में एक हजार करोड़ से अधिक की संपत्ति वाले लोगों का आंकड़ा 76 फीसदी बढ़ गया है। ये लोग विरासती अमीर नहीं, इनमें से 86 फीसदी धनी सेल्फ मेड हैं। स्टार्टअप उद्यम और आगे जाने की भावना ने ऐसा जोर पकड़ा कि इनमें से 84 फीसदी अरबपति हो गए हैं जिनकी औसत उम्र 41 वर्ष है। मुम्बई, दिल्ली और बंगलुरु में शुरू से ही अरबपतियों का बोलबाला है। लेकिन कभी पिछड़ा राज्य कहलाने वाले उत्तर प्रदेश ने तरक्की कर चकित कर दिया। पिछले साल यहां 25 अरबपति थे और उससे पिछले साल 22 लेकिन इस साल बढ़कर यहां 34 अरबपति हो गए हैं।

नि:संदेह इस वक्त भारत की आर्थिक विकास दर दुनिया में सर्वाधिक है। लेकिन भारत के लिए एक और सूचकांक भी सामने आया है। इसे भुखमरी सूचकांक कहा जाता है। यह भी इस समृद्ध होते सूचकांक के साथ प्रकाशित हुआ है। यह बताता है कि जिस प्रजातांत्रिक समाजवाद को लेकर हमारे देश ने अपनी विकास यात्रा शुरू की थी, अभी हम उस लक्ष्य के करीब भी नहीं पहुंचे बल्कि उससे परे छिटकते जा रहे हैं। कोरोना काल के बाद बेशक निवेश और उत्पादन में बनिस्बत काफी प्रतिबंध रहित माहौल मिला है लेकिन बेरोजगारी को इस समय कोविड काल से पहले की स्थिति से बेहतर नहीं कह सकते हैं।

वहीं महंगाई पर नियंत्रण के दावों के बावजूद विसंगति यह कि जहां थोक मूल्य सूचकांक शून्य से नीचे हो जाता है, वहां परचून कीमत सूचकांक रिजर्व बैंक द्वारा बताई गई 4 से 6 प्रतिशत के ऊपरी स्तर अर्थात 6 प्रतिशत के आसपास पहुंचता है। इस मूल्यवृद्धि का कारण बनावटी कमी पैदा करने की हरकतें कही जाती हैं।

बेशक देश में धनियों की संपन्नता बढ़ रही है। कहा जाता है कि देश के 10 प्रतिशत संपन्न लोग देश की 90 प्रतिशत या संपदा पर कब्जा किए हैं और देश की कार्यशील आबादी में से आधे लोग बेकार बैठे हैं। बेशक शासन ने किसी को भूख से न मरने देने की गारंटी दे रखी है लेकिन फिर भी भूख की समस्या यहां-वहां नजर आती है। नौजवानों को अपना भविष्य उज्ज्वल नजर नहीं आता है। कोटा, जहां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाई जाती है, वहां टूटते सपनों वाले नौजवानों की आत्महत्या की संख्या बढ़ रही है। इस अवस्था में सफलता की मंजिलें तय करने का प्रचार आम लोगों को धीरज और संतोष देता है। आज भी सर्वेक्षणों के अनुसार, भारत के लोग सरकार की कार्यकुशलता और उसके द्वारा परिणाम लाने की क्षमता में बहुत विश्वास रखते हैं। इसी कड़ी में भुखमरी के सर्वेक्षण में भारत दुनिया के 125 देशों में 111वें स्थान पर है। विसंगति यह कि पिछले साल से हर क्षेत्र में विकास की घोषणाओं के बावजूद भुखमरी का यह रैंक बढ़ कैसे गया, पिछले साल 121 देशों में भारत 107वें स्थान पर था। आंकड़े बता रहे हैं कि हमारे यहां बड़ी संख्या में नौनिहालों का वजन नहीं बढ़ पाता। उन्हें पर्याप्त पोषक भोजन नहीं मिल पाता। समय से पहले और कम वजन के बच्चे पैदा हो रहे हैं। वहीं हम गर्व से कहते हैं कि दुनिया में सबसे अधिक युवा श्रमशक्ति हमारे पास है। हम देश व दुनिया भर के लिए इस श्रमशक्ति की सस्ती दर पर आपूर्ति कर सकते हैं। वहीं देश में भुखमरी से न मरने देने की गारंटी तो दी जाती है लेकिन हर काम करने योग्य व्यक्ति को उचित रोजगार द की गारंटी नहीं दी जाती।

सर्वेक्षण बता रहे हैं कि जहां अधेड़ उम्र के श्रमिकों को अनुभव और ज्ञान के अनुसार नौकरी मिल जाती है, नौजवानों को ऐसा आसान माहौल नहीं मिलता। क्या क्षमता या कार्यकुशलता की कमी हो रही है? जरूरत है कि देश की श्रमशक्ति में गुणात्मक परिवर्तन लाए जाएं। उन्हें बेहतर जीवनस्तर और पोषण की दशाएं प्रदान की जाएं। यह तो तभी संभव है जब वो आर्थिक क्षमता को उचित रोजगार से बेहतर कर पाएंगे। नौजवानों में जीवनीशक्ति भरने के लिए इनकी बेरोजगारी के अभिशाप को दूर करना होगा।

पहचान की लड़ाई का बोझ ढोते अश्वेत लोग

राजेश रामचंद्रन

पांच जून, 1986 के दिन, जो बाइडेन ने कहा था 'यदि इस्राइल वजूद में न भी होता तो संयुक्त राज्य अमेरिका को इस क्षेत्र के हितों की सुरक्षार्थ इस्राइल का आविष्कार करना पड़ता। यह हमारा 3 बिलियन डॉलर का सर्वोत्तम निवेश है'। बता दें कि जो बाइडेन उस वक्त अमेरिकी सीनेटर थे। ये उद्गार विंस्टन चर्चिल या बाद में उनके जैसे किसी अन्य साम्राज्यवादी के हो सकते थे, क्योंकि इसमें महायुद्ध उपरांत बनी उस वैश्विक व्यवस्था की प्रतिध्वनि सुनाई देती है, जो पश्चिमी जगत ने एशिया में अपनी औपनिवेशिक बस्तियों की लिए सोच रखी थी और उन्हें आजादी देने उपरांत लाचार समाजों पर थोप दी। एक विस्तारवादी यहूदी राष्ट्र, पुरातन काल से अपनी जमीन पर बसे मूल निवासियों के इलाके लगातार हड़पकर, उस जगह पश्चिमी मुल्कों से निकलकर आए अपने लोगों की बस्तियां बनाने में जुटा है और यह काम साम्राज्यवादी ताकतों द्वारा औपनिवेशिक देशों को आजाद करके निकलते वक्त आपसी रार की लकीरें खींचने और भावी युद्धों के बीज बोने की साजिश के अनुरूप है। भारत-पाकिस्तान विभाजन में कम से कम 10 लाख से अधिक लोग मारे गए और एक करोड़ बेघर हुए थे।

ओटोमन साम्राज्य पर विजय के बाद, जोकि अधिकांशत: भारतीय फौजियों, खासकर पंजाबियों का -लहू बहाकर प्राप्त हुई थी, ब्रितानी हुकूमत ने 100 साल पहले बड़ी चतुराई से 'पहचान की लड़ाई' की जो नीति अमल में लानी शुरू की थी, वह आज भी जारी है। इसमें शक की जरा सी भी गुंजाइश नहीं है कि कौन सा पक्ष मौत के इस घिनौने खेल में पुराने साम्राज्यवादियों के वारिस बनकर वही सब दोहरा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और ब्रितानी प्रधानमंत्री ने आनन-फानन में इस्राइल पहुंचकर सिद्ध कर दिया है कि एशिया में ब्रितानी औपनिवेशिक शासकों ने जो 'नियम-आधारित व्यवस्था' पीछे छोड़ी थी, वह आज भी वैसी है और इसकी बुनियाद धार्मिक पहचान को लेकर आपस में लड़ते मजहबों पर टिकी है और लगातार मजबूत हो रही है।

शासन-कला में ब्रितानियों की महारत धार्मिक पहचान की राजनीति को इजाद करने में रही है और इसमें नफरत की राजनीति नैसर्गिक रूप से संलग्न है। यह नीति अभी भी राष्ट्रीय आकांक्षाओं को दरकिनार करने और उसे दूसरों से नफरत करने की ओर मोड़ देने की ताकत और संभावना रखती है। कई मुल्कों में, उदाहरणार्थ भारत में, यासीर अराफात को अपने परेशान लोगों की न्याय और अलग देश की आकांक्षा का एक संघर्षरत नायक मानकर स्वीकार किया। परंतु हमास के संस्थापक अहमद यासीन की स्वीकार्यता पुरातनपंथी राक्षसी प्रचारक की है, जो अपने जहरीले प्रवचनों से युवाओं को बरगलाकर निश्चित ही मौत की ओर धकेलने में लगा है। पुराने समय के साम्राज्यवादियों के वारिस, सम्मिलित प्रतिबद्धताओं को हराकर, धार्मिक पहचान के आधार पर रार पैदा करने में सफल रहे हैं, जिसका अनुमोदन उनके सह-धर्मियों के अलावा कोई अन्य नहीं करता। इससे भी बदतर कि यासीर अराफात के बरक्स हमास के सरगना यासीन को शांति या आजाद मुल्क की इच्छा नहीं है, वह तो एक अंतहीन 'पवित्र धर्म युद्ध' चलाए रखने का हामी है।

इस्राइली भी, अपने धार्मिक हकों के लिए दूसरों से लड़ना एक वजह गिना रहे हैं। उनके राजनेता नफरत के बिना शक्तिहीन हैं, इसी पर उनकी राजनीति चलती है और निजी राजनीतिक पेशा भी। इसलिए, वे फलस्तीनी प्राधिकरण की बजाय हमास से बरतते हैं, क्योंकि वे समस्या का हल निकलना नहीं चाहते इसलिए हमास को वैध बना रहे हैं। जिस तरह बेंजामिन नेतन्याहू की दक्षिणपंथी सरकार फलस्तीनी मुस्लिमों से नफरत करती है उसी प्रकार बदले में हमास भी यहूदियों के विरुद्ध घृणा फैलाता है। हमास को दुश्मन करार देकर नेतन्याहू सरकार और कुछ नहीं बल्कि उसको वैधता प्रदान कर रही है क्योंकि वह राजनीतिक ढांचे में दूसरों से नफरत को पूरी तरह से संस्थागत बनाना चाहती है। साल 2011 में, हमास द्वारा बंधक बनाए एक इस्राइल सैनिक के बदले 1027 फलस्तीनियों को सौंपा गया था, और सरकार ने यह सौदा फलस्तीनी प्राधिकरण के साथ न करके, हमास के साथ किया गया था। गाजा में अल-आहली अस्पताल में 500 आम नागरिकों की मौत का कारण बनी मिसाइलें कहां से और कितने छोड़ी, यह पक्का करने के लिए गहरे उतरने की कोई जरूरत नहीं है। बिना शक, इस दानवी कृत्य के पीछे नफरत ही मुख्य सूत्रधार है। जब वे केवल वही राजनीति जानते हैं, जिसमें दूसरों के धर्म से घृणा करना है।

जब हमास के लुटेरे हत्यारों ने नन्हे बच्चों की जान लेते वक्त, औरतों को अगवा या बलात्कार करते समय या निहत्थे आम लोगों को मारने में जरा सी दया नहीं दिखाई तो फिर इस्राइल फौज में उनके समकक्षों को किसने रोका है कि वे अस्पतालों पर बममारी न करें? हमास को दुश्मन करार देकर उसके खिलाफ युद्ध का ऐलान करना और गाजा में आम नागरिकों पर बमबारी करके इस्राइल सरकार ने अपना स्तर हमास के रक्तपात करने वाले गिरोहों जितना गिरा दिया है, जो गाजा में हर किसी को मारने को उद्यत हैं, आतंकवादी हो या नागरिक। हमास का हैरतअंगेज अचानक किया हमला किंवदंती बन जाता, यदि इसमें जघन्य क्रूरता और 1300 इस्राइलियों की मौत न हुई होती, जिनमें अधिकांश आम नागरिक थे। इस क्षेत्र की सबसे तगड़ी सेना ने आखिर नौसीखियों के झुंड को अपने पर हमला करने और कैमरे, सेंसर, राडार एवं उपग्रह टोह इत्यादि उच्च कोटि की तकनीकों से लैस बाड़ को तोड़कर अंदर घुस आने देना गवारा कैसे किया?

घर के कामकाज को महिलाएं न समझें व्यायाम

कम कैलोरी बर्न होना

महिलाएं जब घर के काम ज्यादा करती हैं तो उनको लगता है कि वे तो ज्यादा कैलोरी बर्न कर रही हैं, जबकि ऐसा नहीं होता। नेहा रोजाना सुबह घर की साफ-सफाई में दो घंटे लगाती है। बावजूद इसके वह मनचाहा वजन कम नहीं कर पा रही। ऐसा नहीं है कि घर के कामों से शारीरिक गतिविधियां नहीं होती और शरीर की चर्बी कम नहीं होती। घर के कामों से भी कैलोरी बर्न होती है, लेकिन इतनी ज्यादा नहीं, जितनी आप साधारण वर्कआउट करके कम कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, आधे घंटे तक वैक्यूम करने से 130 कैलोरी कम होती है, जबकि आधा घंटे तक साइकिल चलाने से आप 400 कैलोरी तक कम कर सकती हैं।

अंतर भी जान लें

घरेलू काम और व्यायाम, दोनों में कार्य की जरूरत होती है, लेकिन इन दोनों का प्रकार भिन्न होता है। व्यायाम शारीरिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है, जबकि घरेलू काम का मुख्य उद्देश्य घर की सफाई और व्यवस्था बनाए रखना है। व्यायाम घरेलू काम की तुलना में अधिक कैलोरी जलाता है। व्यायाम के दौरान हृदय दर के साथ-साथ शरीर के विभिन्न हिस्सों की मांसपेशियों को आवश्यक रूप से काम करना पड़ता है, जिससे अधिक कैलोरी जलती है। घरेलू काम करते समय आप आराम की स्थिति में रह सकती हैं, जबकि व्यायाम करते समय आपको सुस्ती को त्यागना पड़ता है।

एक्सरसाइज का विकल्प नहीं

झाड़ू-पोंछा, बर्तन धोना और बागवानी जैसे काम केवल शारीरिक सक्रियता का हिस्सा हो सकते हैं, लेकिन यह पूरी तरह उसका स्थान नहीं ले सकते। व्यायाम का महत्व इसलिए भी अधिक है, क्योंकि नियमित व्यायाम से दिल के स्वास्थ्य में सुधार होता है, शारीरिक क्षमता बढ़ती है और मानसिक स्वास्थ्य सुधरता है। वॉकिंग, गार्डनिंग या घर के कामों को व्यायाम के साथ मिलाकर किया जा सकता है, जिससे शारीरिक सक्रियता में वृद्धि हो। इसलिए घरेलू काम को व्यायाम का अच्छा उपाय मानने के बजाय नियमित व्यायाम करना उचित है। घरेलू काम जरूरी हैं, मगर वे व्यायाम का विकल्प नहीं हो सकते। इसलिए महिलाएं नियमित व्यायाम को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने का प्रयास करें, ताकि वे स्वस्थ और सुखमय जीवन जी सकें।

अन्य गतिविधियां भी जरूरी

रोजाना घरेलू कामकाज करते हुए पसीने से तर-ब-तर हो जाती हैं और थकान भी अधिक होती है? क्या आप भी अन्य महिलाओं की तरह ही फिट रहने के लिए थका देने वाले घरेलू कामकाज को पर्याप्त व्यायाम का विकल्प मानती हैं? इसमें कोई संदेह नहीं कि महिलाएं पुरुषों के मुकाबले ज्यादा कामकाज करती हैं। लेकिन अगर वे एक-दो काम ज्यादा करें या तेजी से करें तो इससे उनका रोजाना का व्यायाम स्तर पूरा नहीं होता। इसलिए पहले खुद के लिए समय निकालो और फिर बाकी कार्य करो तो तुम ज्यादा एनर्जी लेवल के साथ काम पूरा कर पाओगी। घर के काम पूरी तरह से व्यायाम का विकल्प नहीं हैं। आपको रोजाना कुछ समय किसी अन्य गतिविधि में भी शामिल होना चाहिए, जिससे आपको दोनों तरह के व्यायाम का फायदा मिल सके और आप स्वस्थ रहें।

कसरत का रूप दें

घर के कामकाज को व्यायाम का विकल्प तभी मानें, जब उन कार्यों को करते समय कसरत का एक रूप दिया जाए। उदाहरण के लिए, जब महिला घर में पोछा लगाती है तो एक विशेष पोजीशन में बैठने से योग की भाषा में उदर आकर्षण आसन, जिसमें पैर के पंजे, एड़ी और घुटनों की पोजीशन इस प्रकार से होती है कि एक घुटना और दूसरे पैर का तलवा और पंजा आगे-पीछे रहते हैं। इस आसन से कंधे और हाथों की कसरत होती है तथा लीवर और पेट स्वस्थ होते हैं। वजन भी कंट्रोल होता है। सब्जी काटते समय पैरों को फैलाकर बैठने और उनके बीच कुछ गैप रखने से जांघों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। यदि महिला कपड़ों को हाथ से निचोड़ती है तो यह क्रिया, वेट ट्रेनिंग का काम करती है और हाथों की मसल्स को टोन अप करती है। आटा गूंथते समय भी हाथों के जोड़ों की एक्सरसाइज होती है, लेकिन अगर आटा जमीन पर बैठकर मला जाए तो घुटने की मांसपेशियां भी मजबूत होती हैं।

हंसना मना है

पति-पत्नी दोनों मार्किट गए, वहा पति ने एक अनजान, लड़की से कहा हेलो! पत्नी गुस्से में -बताओ ये कौन थी? पति कुछ सोचकर -ओए चुप कर, अभी उसे भी बताना है की, तुम कौन हो..!

पति- काम के लिए बाई रखे? पत्नी- नहीं चाहिए, पति- क्यों? पत्नी-तुम्हारी आदते मैं अच्छी तरह, जानती हूं भूल गए? पहले मैं भी बाई ही थी!

देवदास की तरह जान मत दो यारो, प्यार को लात मारो यारो, मेरी बात मानो यारो, ना चंद्रमुखी ना पारो, रोज़ रात एक किंगफिशर मारो, और चैन से जिंदगी गुज़ारो..!

गर्लफ्रेंड-मेरी मम्मी को तुम बहुत पसंद आये हो, पप्पू- चल पगलीज्कुछ भी हो मैं शादी तुमसे ही करूंगा.. आंटी से कहना वो मुझे भूल जाएं।

नजरे आज भी उस हरामखोर को ढूंढ रही हैं, जिसने कहा था बुक के बीच में मोर पंख रखने से विद्या आती है।

ठोकर खाकर गुनगुनाना ही जिन्दगी है,गम पी कर मुस्कुराना ही जिन्दगी है, एक लड़की अगर धोका दे दे तो सब कुछ भूल कर, दूसरी को पटाना ही जिन्दगी है।

कहानी | पत्थर की कीमत

एक हीरा व्यापारी था जो हीरे का बहुत बड़ा विशेषज्ञ माना जाता था, किन्तु गंभीर बीमारी के चलते अल्प आयु में ही उसकी मृत्यु हो गयी। अपने पीछे वह अपनी पत्नी और बेटा छोड़ गया। जब बेटा बड़ा हुआ तो उसकी मां ने कहा-बेटा, मरने से पहले तुम्हारे पिताजी ये पत्थर छोड़ गए थे, तुम इसे लेकर बाज़ार जाओ और इसकी कीमत का पता लगा, ध्यान रहे कि तुम्हे केवल कीमत पता करनी है, इसे बेचना नहीं है। युवक पत्थर लेकर निकला, सबसे पहले उसे एक सब्जी बेचने वाली महिला मिली। अम्मा, तुम इस पत्थर के बदले मुझे क्या दे सकती हो? युवक ने पूछा। देना ही है तो दो गाजरों के बदले मुझे ये दे दोज तौलने के काम आएगा। सब्जी वाली बोली। युवक आगे बढ़ गया। इस बार वो एक दुकानदार के पास गया और उससे पत्थर की कीमत जानना चाही। दुकानदार बोला-इसके बदले मैं अधिक से अधिक 500 रूपये दे सकता हूं देना हो तो दो नहीं तो आगे बढ़ जाओ। युवक इस बार एक सुनार के पास गया। सुनार ने पत्थर के बदले 20 हज़ार देने की बात की। फिर वह हीरे की एक प्रतिष्ठित दुकान पर गया वहां उसे पत्थर के बदले 1 लाख रूपये का प्रस्ताव मिला और अंत में युवक शहर के सबसे बड़े हीरा विशेषज्ञ के पास पहुंचा और बोला-श्रीमान, कृपया इस पत्थर की कीमत बताने का कष्ट करें। विशेषज्ञ ने ध्यान से पत्थर का निरीक्षण किया और आश्चर्य से युवक की तरफ देखते हुए बोला-यह तो एक अमूल्य हीरा है, करोड़ों रूपये देकर भी ऐसा हीरा मिलना मुश्किल है। मित्रों, यदि हम गहराई से सोचें तो ऐसा ही मूल्यवान हमारा मानव जीवन भी है। यह अलग बात है कि हममें से बहुत से लोग इसकी कीमत नहीं जानते और सब्जी बेचने वाली महिला की तरह इसे मामूली समझा तुच्छ कामो में लगा देते हैं। आइये हम प्रार्थना करें कि ईश्वर हमें इस मूल्यवान जीवन को समझने की सद्बुद्धि दे और हम हीरे के विशेषज्ञ की तरह इस जीवन का मूल्य आंक सकें।

7 अंतर खोजें

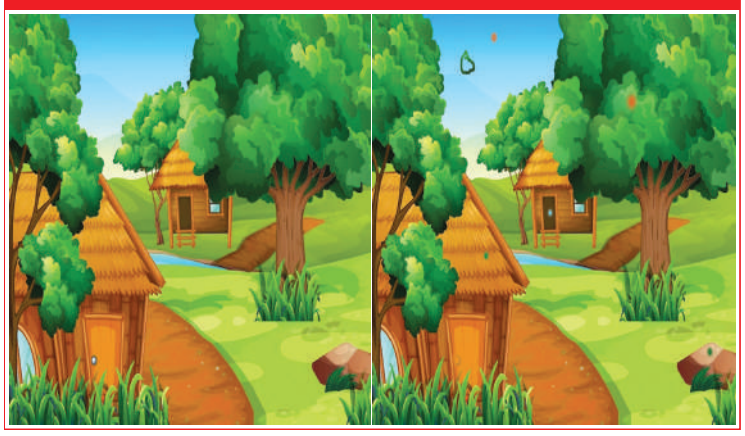

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आप बिजनेस में विरोधियों से सावधान रहें। आपका मन धार्मिक कार्यों में लगेगा। लेखन और ग्लैमर में काम करने वालों को सफलता मिल सकती है।

वृषभ

आज का दिन उत्तम रूप से फलदायक रहेगा। आज अचानक किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है, जो आपके बिजनेस के लिए लाभदायक सिद्ध होगी।

मिथुन

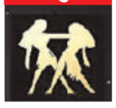

आज का दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आप परिवार वालों के साथ समय बितायेंगे साथ ही जीवनसाथी के साथ आपकी लंबी बातचीत होगी, इससे आपके रिश्ते बेहतर होंगे।

कर्क

आज तीर्थयात्रा की योजना बन सकती है। मन चिंतित रह सकता है। आज परिवार में मनमुटाव का वातावरण रहेगा। कुटुंबीजनों के साथ मनमुटाव के अवसर आएँगे।

सिंह

आज का दिन आपको अपने पारिवारिक रिश्तो के कड़वाहट को मिठास में बदलने में व्यतीत होगा। आज आपको यही कला अपने व्यापार के लिए भी सीखनी होगी।

कन्या

आज का दिन सामान्य रहेगा। आज आपका मन उत्साह से परिपूर्ण रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में अचानक काम की गति बढ़ेगी। आज कुछ लोग आपके विचारों का विरोध करेंगे।

तुला

संतान के प्रति विश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम अकेले करने की कोशिश न करें। आपकी बीती जिन्दगी का कोई राज़ आपके जीवनसाथी को उदास कर सकता है।

वृश्चिक

आज का दिन आपके लिए उन्नति भरा रहेगा। आज आपकी संतान को नौकरी में सफलता मिलने से आज आपका मन प्रसन्न रहेगा, मैरिड लाइफ बेहतर रहने वाला है।

धनु

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। कार्यक्षेत्र को बढ़ाने के लिये आपको नये अवसर मिलेंगे। उधार दिया हुआ पैसा आज अचानक ही वापस मिलेगा।

मकर

समाज के हित में किए गए कार्यों से आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी और आपका वर्चस्व बढ़ेगा। व्यापारिक नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार की आवश्यकता है।

कुम्भ

ससुराल पक्ष से आज आपको मान सम्मान मिलता दिख रहा है। सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज कुछ सामाजिक सम्मेलनों में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा।

मीन

आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। कामकाज से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिलेगी। आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे। जीवन में दूसरे लोगों का सहयोग मिलता रहेगा।

भूमि पेडनेकर ने गंगूबाई की जमकर की तारीफ

भूमि पेडनेकर अपने फिल्मों के चयन को लेकर जानी जाती हैं। वह लीक से हटकर विषयों पर आधारित फिल्मों में काम करना पसंद करती हैं। डेब्यू फिल्म दम लगा के हाइशा से लेकर अब तक यह सिलसिला जारी है। हाल ही में एक बातचीत में भूमि पेडनेकर ने आलिया भट्ट की जमकर तारीफ की। साथ ही यह भी स्वीकार किया कि फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी की सफलता ने उन्हें हिम्मत दी।

सोलो फिल्में करने की कही बात

हाल ही में भूमि पेडनेकर ने एक मीडिया बातचीत में कहा कि महिला होने के नाते, उन्हें एक-दूसरे से असुरक्षित नहीं महसूस करना चाहिए। अगर किसी हीरोइन की फिल्म सफल होती है, तो वह दूसरी अन्य हीरोइनों के लिए भी दरवाजे खोलती है। भूमि ने कहा कि गंगूबाई काठियावाड़ी ने उनके लिए दरवाजे खोले हैं, और उन्हें अधिक सोलो फिल्में करने और मजबूत महिला किरदार अदा करने का साहस दिया है।

गौरतलब है कि गंगूबाई काठियावाड़ी को आलिया भट्ट ने अपने कंधों पर लिया और इसमें उनके शानदार प्रदर्शन की हर तरफ तारीफ हुई। यह फिल्म न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर सफल रही, बल्कि आलिया भट्ट को उनका पहला नेशनल अवॉर्ड भी दिलाया। भूमि पेडनेकर ने आगे कहा कि वह ट्रेडिशनल हीरोइन नहीं हैं। उनका कहना है कि वह ट्रेडिशनल हीरोइन की परिभाषा में बदलाव करने वाली हैं। यह चीज उन्हें लीक से हटकर फिल्में करने और सोलो फिल्में करने का आत्मविश्वास देती है।

बॉलीवुड गपशप

दिव्या खोसला कुमार की यारियां-2 बॉक्स ऑफिस पर हो गई फुस्स

दिव्या खोसला कुमार लंबे समय के बाद बड़े पर्दे पर नजर आईं हैं। उनकी फिल्म यारियां-2 पिछले हफ्ते ही सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म का पहले दिन से ही हाल बेहाल है। फिल्म का बजट करीब 50 करोड़ है और इसने एक दिन भी करोड़ में कमाई नहीं किया है। यारियां 2 का बजट पूरा करना तो दूर इसके 5 करोड़ कमाई करना भी मुश्किल हो रहा है। फिल्म के लिए मेकर्स ऑफर्स लेकर आ रहे हैं ताकि लोग इसे देखने के लिए सिनेमाघर जाएं लेकिन फिर भी लोग इसे पसंद नहीं कर रहे हैं। फिल्म ने पांचवें दिन दशहरे की छुट्टी होने के बावजूद कुछ खास कमाई नहीं की है।

यारियां-2 एक इमोशनल कर देने वाली फिल्म है। इसे देखना हर कोई पसंद नहीं कर रहा है। जहां इसका पहला पार्ट हिट साबित हुआ था वहीं दूसरे पार्ट की हालत खराब है। फिल्म के कलेक्शन के बारे में आपको बताते हैं। यारियां-2 दिव्या खोसला कुमार, मीजान जाफरी और पर्ल वी पुरी की कहानी है। फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक पांचवें दिन इसने 36 लाख का कलेक्शन किया है। जिसके बाद टोटल कलेक्शन 2.27 करोड़ हो गया है। यारियां-2 ने पहले दिन 50 लाख, दूसरे दिन 55 लाख, तीसरे दिन 55 लाख और चौथे दिन 30 लाख का कलेक्शन किया था। यारियां 2 की बात करें तो ये तीन कजिन्स की कहानी है जो अपनी-अपनी लाइफ में किसी ना किसी वजह से परेशान होते हैं और एक-दूसरे की परेशानी दूर करने के लिए तीनों साथ आते हैं। ये ही सब इमोशनल ड्रामा फिल्म में दिखाया गया है। यारियां-2 को राधिका राव और विनय सपरू ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में दिव्या खोसला कुमार के साथ मीजान जाफरी, पर्ल वी पुरी, यशदास गुप्ता, प्रिया प्रकाश वारियर अनस्वरा राजन अहम किरदार निभाते नजर आए हैं।

बॉलीवुड मन की बात

एनीमल के बाद फिल्मों से लूंगा छह महीने का ब्रेक : रणवीर कपूर

रणबीर कपूर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म एनिमल को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म में रणबीर के साथ रश्मिका मंदाना लीड रोल में नजर आने वाली हैं। रणबीर अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी छाहे रहते हैं। रणबीर कपूर ने अब फिल्मों से ब्रेक लेने का फैसला लिया है। रणबीर छह महीने का ब्रेक लेने वाले हैं। वह ये ब्रेक अपनी बेटी राहा के लिए लेने वाले हैं। ताकि वह उनके साथ ज्यादा समय बिता सकें। रणबीर कपूर अपनी पर्सनल लाइफ को काफी एंजॉय कर रहे हैं। रणबीर ने नेशनल अवॉर्ड विनर आलिया भट्ट से शादी की है और उनकी बेटी राहा है। रणबीर ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में बेटी राहा के साथ बॉन्ड पर भी बात की। रणबीर कपूर ने फैंस के साथ जूम पर बातचीत की। बातचीत में रणबीर कपूर ने ये स्वीकार किया कि राहा के जन्म के बाद के शुरुआती महीनों में वह बेटी के साथ समय नहीं बिता पाए क्योंकि वह शूटिंग में बिजी थे। हालांकि रणबीर ने कंफर्म कर दिया है कि वह फिल्मों से 6 महीने का ब्रेक लेने वाले हैं ताकि वह बेटी के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड कर सकें। रणबीर अपनी पेरेंटल ड्यूटीज पर ज्यादा फोकस करना चाहते हैं क्योंकि आलिया अपनी आने वाली फिल्म जिगरा की शूटिंग में बिजी रहने वाली हैं। रणबीर ने बातचीत में बताया कि राहा ने घुटने चलना शुरू कर दिया है और चीजें पहचानना भी शुरू कर दिया है। वह अपने आस-पास के लोगों को बहुत प्यार करती हैं। रणबीर ने बताया कि राहा बोलने की कोशिश करती हैं। राहा इन दिनों मां और पा बोलने की कोशिश कर रही हैं। रणबीर ने अपने इस फेज को बहुत ही खूबसूरत बताया है।

14 मंजिला इमारत में बसा है पूरा शहर स्कूल-मार्केट सब एक ही बिल्डिंग के अंदर

दुनिया में जनसंख्या कंट्रोल करना मुश्किल होता जा रहा है। तेजी से बढ़ती जनसंख्या पर लगाम लगाने के लिए हर देश की सरकार लगी हुई है। जहां चीन ने कई सालों तक सिंगल चाइल्ड पॉलिसी अपनाई, उसी तरह कई देशों की सरकार अलग-अलग तरीकों से जनसंख्या पर नियंत्रण करने की कोशिश कर रही है। लेकिन शहरों में लोगों की गिनती दिनों दिन बढ़ती जा रही है। इस बीच सोशल मीडिया पर एक महिला ने अपने शहर के बारे में लोगों को बताकर हैरान कर दिया। अलास्का में स्थित व्हिटियर शहर में सिर्फ दो से ढाई सौ लोग रहते हैं। सबसे हैरानी की बात ये है कि ये सारे लोग एक ही इमारत में रहते हैं। जी हां, आम तौर पर शहर में छोटे-छोटे घर बने होते हैं। लोग इन घरों में ही रहते हैं। लेकिन इस शहर में सारे लोग सिर्फ एक ही बिल्डिंग में रहते हैं। 14 मंजिला इस इमारत को बेगीच टावर के नाम से जाना जाता है। ये पहले एक आर्मी बैरक था, जिसे होटल की तरह बनाया गया था। अब इसके अंदर ही पूरा शहर रहता है। इस बिल्डिंग के अंदर शहर का पूरा परिवार रहता है। बेगीच टावर में पूरा शहर रहता है। दो सौ से अधिक लोग इस इमारत में रहते हैं। बिल्डिंग के अंदर ही लोगों की जरुरत का सारा सामान मिलता है। बिल्डिंग के एंट्रेंस पर ही एक पोस्ट ऑफिस है और हॉल के राइट पुलिस स्टेशन। अगर आप इस बिल्डिंग के अंदर जाएंगे तो ऐसा लगेगा कि आप किसी स्कूल में घुस गए हैं। बस अंतर ये है कि यहां परिवार रहता है। आपको इस इमारत में ही बच्चों के लिए स्कूल और घर के लिए राशन का सामान मिल जाएगा। एक ही इमारत में शहर बसने का खास कारण है। दरअसल, अलास्का में भीषण ठंड पड़ती है। ऐसी स्थिति में घर से बाहर निकलना जान के लिए खतरा साबित हो सकता है। ठंड से बचने के लिए एक ही इमारत के अंदर लोगों की जरुरत की सारी चीजें बना दी गई है। ताकि लोगों को बिल्डिंग से बाहर नहीं जाना पड़े। विकिपीडिया के मुताबिक, अभी इस शहर में 272 लोग रहते हैं। जो इमारत के अंदर ही हॉस्पिटल से लेकर रेस्त्रां, स्टोर को एन्जॉय करते हैं।

अजब-गजब

इस शहर में हर पल रहता है हत्या का डर

इस देश के नौ शहर हैं दुनिया में सबसे खतरनाक

दुनिया का शायद ही कोई ऐसा देश होगा, जहां जुर्म के मामले नहीं सामने आते होंगे। जहां इंसान है, वहां जुर्म तो होगा ही, पर दुनिया में एक ऐसा देश भी है, जो इतना खतरनाक है कि सबसे ज्यादा हत्या के मामले में इस देश के 9 शहर सबसे टॉप पर हैं। इस देश के इन 9 शहरों में रहने वाले लोग हमेशा इस बात के डर में रहते हैं कि कहीं उनकी हत्या न हो जाए। ड्रग्स की बिक्री के मामले में भी ये देश सबसे आगे है। आप भी अब इस देश के बारे में जानना चाहते होंगे। चलिए आपको बताते हैं।

डेली स्टार न्यूज वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार इस देश का नाम है मेक्सिको। मेक्सिको सिटी में स्थित संस्था 'सार्वजनिक सुरक्षा और आपराधिक न्याय के लिए नागरिक परिषद' ने रिपोर्ट को जारी किया था जो साल 2022 तक के आंकड़ों पर आधारित थी। ये संस्था साल 2013 से देशों के मर्डर रेट्स को ट्रैक कर रही है। संस्था ने जो आंकड़े बताए, वो काफी चौंकाने वाले हैं। इस शोध में उन देशों के शहरों को नहीं शामिल किया गया है, जहां युद्ध जैसे माहौल हैं।

डेली स्टार के अनुसार, इस रिपोर्ट में 10 में से 9 शहर मेक्सिको के हैं, जिन्हें हत्या के मामले में दुनिया में सबसे ज्यादा खतरनाक माना जाता है। सिर्फ एक शहर अमेरिका का न्यू ऑर्लियान्स है जिसने 8वां स्थान हासिल किया है। इस शहर में होमीसाइड यानी हत्या का दर 1 लाख नागरिकों में 70.6 नागरिकों का है, यानी 1 लाख में से 70.6 लोगों की मौत हत्या से होती है। लिस्ट में टॉप पर है मेक्सिको का कोलिमा शहर जिसका रेट 181। 9 लोग प्रति 1 लाख नागरिक का है। दूसरा स्थान जैमोरा का है जिसका दर 177 मौतें, प्रति 1 लाख नागरिक है। लिस्ट में तीसरा नाम सिउडैड ऑब्रेगॉन का है। 50 शहरों में मेक्सिको के 17 शहर, होमीसाइड के मामले में 50 शहरों को शामिल किया गया है जिसमें से मेक्सिको के कुल 17 शहर हैं। इस मामले में मेक्सिको देश टॉप पर है। दूसरा स्थान ब्राजील का है जिसके 10 शहर हैं, वहीं अमेरिका के 8 शहर लिस्ट में शामिल हैं। चौथे स्थान पर कोलंबिया है जिसके 6 शहर लिस्ट में शामिल हैं। पिछले साल डेटा जारी करते वक्त संस्था ने कहा था कि लगातार छठे साल कोई मेक्सिकन शहर लिस्ट में सबसे ऊपर है और दुनिया में सबसे खतरनाक है। आपको बता दें कि मेक्सिको ड्रग्स के मामले में भी सबसे ऊपर रहता है। ग्लोबल ऑर्गनाइज्ड क्राइम इंडेक्स की रिपोर्ट के अनुसार सबसे ज्यादा कोकेन ट्रेड की लिस्ट में भी मेक्सिको देश शामिल है।

भाजपा के कमलनाथ को रावण बताने पर भड़की कांग्रेस, पलटवार करते हुए कहा-

भाजपा छिछोरों की पार्टी, उचक्कों को देती है प्रश्रय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के बीच आए दशहरे पर भाजपा ने पूर्व सीएम कमलनाथ को रावण बता दिया। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने एक पोस्टर शेयर किया। इसके जवाब में कांग्रेस ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी की पोस्ट कुंठा और हताशा का परिचायक है। पूर्व सीएम और पीसीसी चीफ कमलनाथ के मीडिया सलाहकार पीयूष बबेले ने हमला करते हुए लिखा कि भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी ने कमलनाथ जी को गलत तरीके से चित्रित कर उनका दहन करने की बात कही हैं। यह कुंठा हताशा और घटियापन की पराकाष्ठा के साथ ही संज्ञेय अपराध है। उन्होंने इस ओछी हरकत से दिखा दिया है कि भाजपा छिछोरों की पार्टी है, जो उचक्कों को प्रश्रय देती हैं। इसमें पूर्व सीएम कमलनाथ के दस सिर के साथ लिखा कि एमपी के सनातनी करेंगे घोटालों के रावण का दहन। इस पोस्टर में छापों में ओएसडी मामले में 281 करोड़, सिख नरसंहार, अवैध खनन की वसूली, ट्रांसफर घोटाला, न्यूक्लियर सीक्रेट लीक, 877 करोड़ के ई-टेंडर घोटाले, अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर दलाली, भिंडरांवाले को पैसे देना, 63 करोड़ के मोबाइल घोटाले और नीरा राडिया टेप लीक समेत 10 घोटाले गिनाएं हैं। इस मामले में कांग्रेस ने सायबर सेल में शिकायत कर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

सायबर सेल में एफआईआर दर्ज करने की शिकायत

कांग्रेस ने भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल के खिलाफ सायबर सेल में एफआईआर दर्ज करने शिकायत दी है। कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने कहा कि भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी की हरकत धार्मिक भवनाएं भड़काने और आईटी एट की श्रेणी में आती हैं। हमने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने साइबर सेल को शिकायत की है। इसमें आईपीसी की धारा 188, 295, 499, 500 और 509 में केस दर्ज करने को कहा है। उन्होंने कहा कि सायबर सेल अभी एफआईआर दर्ज नहीं करती है तो उसको डेढ़ महीने बाद कांग्रेस की सरकार बनने पर कार्रवाई करना पड़ेगी।

बेटे नकुल ने ही बांट दिए टिकट : शिवराज

मुयमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नरसिंहपुर से कांग्रेस, सोनिया गांधी और कमलनाथ पर सीधा हमला बोला। सीएम ने कहा कि सोनिया गांधी की कांग्रेस अब कमलनाथ कांग्रेस बन गई है। इतना ही नहीं कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ ने ही टिकट बांट दिए हैं। शिवराज ने नरसिंहपुर से भाजपा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल का नामांकन दाखिल कराया। इससे पूर्व आयोजित सभा को संबोधित करते हुए शिवराज ने कहा कि कांग्रेस की हालत अजब-गजब हो गई है। सोनिया गांधी की कांग्रेस, खड़गे की कांग्रेस बनी, फिर मध्य प्रदेश में कमलनाथ कांग्रेस हो गई। कमलनाथ ने तो या, उनके बेटे नकुलनाथ ने भी टिकट बांट दिए और अब टिकट को लेकर कोलाहल मचा हुआ है। जब कपड़े फाड़ने की बात आई तो कमलनाथ ने दिग्विजय को निशाना बना लिया। कांग्रेस के टिकट वितरण में उपजे विवाद से मची खलबली के बाद मुयमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह तंज कसा। मुयमंत्री ने कहा कि टिकट वितरण में मची मनमानी की शिकायत करने जब कार्यकर्ता कमलनाथ के पास पहुंचे तो कमलनाथ ने दिग्विजय

सिंह और जयवर्धन सिंह के कप? फाड़ने भेज दिया। अब यह कांग्रेस कपड़ा फाड़ कांग्रेस हो गई है। सीएम शिवराज ने कहा कि अब कांग्रेस टिकट बदल कांग्रेस बन गई है। कांग्रेस ने घबराकर कई जगह टिकट बदल दिए हैं। कांग्रेस की हालत तो बड़ी अजब गजब हो गई है, आगे या होने वाला है अभी देखते हैं। सीएम ने कहा कि दिग्विजय सिंह और कमल नाथ माताओं-बहनों को आइटम और टंच माल कहने वाले लोग हैं। उनकी हैसियत नहीं है कि हमसे आंखें मिलाकर बात कर सकें। भारत की संस्कृति, परंपराओं और सनातन धर्म का अपमान करने वाले लोग कभी भला नहीं कर सकते।

उज्जैन में भाजपा से नाराज संत बोले- रावण की पूजा करने वालों को मिला टिकट

धार्मिक नगरी उज्जैन में चुनावी माहौल में अब संत भी चुनाव लड़ने जा रहे हैं। क्रांतिकारी संत परमहंस अवधेशपुरी महाराज ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। बता दें कि अवधेशपुरी महाराज शुरू से ही भाजपा के समर्थक रहे हैं, लेकिन इस बार वे पार्टी से टिकट मांग रहे थे जब उन्हें टिकट नहीं मिला तो इस बार उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला कर लिया। संत ने आरोप लगाया कि वे लगातार भाजपा का समर्थन करते आए हैं, लेकिन बीजेपी ने सिंहस्थ भूमि के अतिक्रमण, महाकाल मंदिर में निशुल्क दर्शन, अवैध कॉलोनी की समस्या सहित संतों के विषय पर कभी भी ध्यान नहीं दिया। इसको लेकर संतों ने फैसला किया है कि उज्जैन उत्तर और उज्जैन दक्षिण से संत चुनावी मैदान में होंगे। संतों के मैदान में आने से उज्जैन दक्षिण से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अवधेशपुरी और उत्तर में जल्द ही एक संत का नाम प्रत्याशी के रूप में घोषित किया जाएगा।16 सितंबर 2023 को स्वास्तिक पीठ के पीठाधीश्वर एवं उज्जैन के क्रांतिकारी संत डॉ. अवधेशपुरी महाराज ने संघ प्रमुख मोहन भागवत एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर देश की राजनीति में योग्य एवं सक्रिय संतों की भागीदारी के लिए पत्र लिखा था। पत्र में संकेत किया था कि जब विधर्मियों द्वारा सनातन पर आक्रमण हो रहा हो और राजनीति के केन्द्र में धर्म आ गया हो तो ऐसे समय में राष्ट्र एवं धर्म की रक्षा के लिए निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर समाज के लिए जीने वाले परोपकारी संतों को राजनीति की मूलधारा से जोड़ना चाहिए। है। अवधेशपुरी महाराज ने कहा कि धार्मिक पार्टी द्वारा मध्यप्रदेश के राजवाडा से रामायण में आग लगाने वाले व रावण का मंदिर बनवाने वालों को तो टिकट दिया जाता है, किन्तु रामायण पर पीएचडी व हिन्दू मठ मंदिरों के लिए लड़ने वाले संत को नहीं आखिर क्यों?

फोटो : 4पीएम

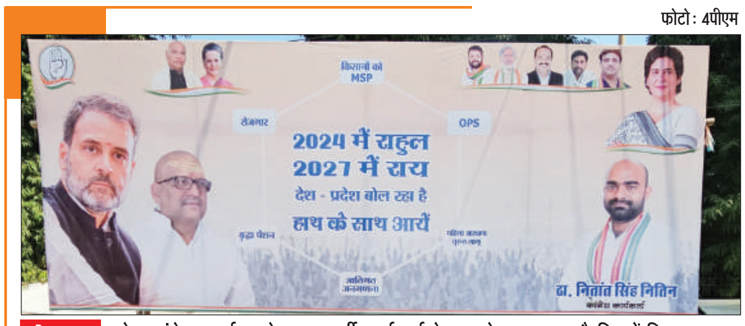

पोस्टर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के बाहर पार्टी कार्यकर्ता ने नया पोस्टर लगाया है जिसमें लिखा गया 2024 में राहुल और 27 में राय। जो राजनीतिक गलियारों में सुर्खियों का विषय बना हुआ है।

अमेरिका के मेन में गोलीबारी में 22 की मौत, कई घायल

वाशिंगटन (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। अमेरिका के मेन के लेविस्टन में गोलीबारी में कम से कम 22 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हो गए, पुलिस ने कहा कि बंदूकधारी अभी भी फरार है। सीएनएन ने मरने वालों की संया 20 से ज्यादा बताई है। जिसमें एक स्थानीय बार और वॉलमार्ट वितरण केंद्र पर गोलीबारी की भी सूचना मिली। लेविस्टन शहर के पार्षद रॉबर्ट मैकार्थी ने कहा कि अधिकारियों ने 22 लोगों की मौत और कई लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, गोलीबारी एक बॉलिंग गली और कम से कम एक अन्य स्थान, एक स्थानीय रेस्तरां और बार में हुई, पुलिस ने कहा कि बंदूकधारी अभी भी बड़े पैमाने पर है। स्थानीय पुलिस ने फ़ेसबुक पर शूटर की एक तस्वीर पोस्ट की, जो बॉलिंग एली के अंदर एक हथियार लेकर जाता दिख रहा है. एंड्रोस्कोगिन काउंटी शेरिफ विभाग ने फेसबुक पर लिखा, लॉ इन्फोर्समेंट इस घटना में दो शूटर्स के शामिल होने की जांच कर रहा है, उन्होंने आगे कहा कि हमनें जांच के दौरान सभी बिजनेस को बंद करने के लिए कहा है, अभी तक संदिग्ध की जांच की जा रही है।

शिंदे रावण और खोखासुर की तरह : उद्धव ठाकरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। पिछली बार की इस बार की दशहरा रैली में शिवसेना के दो गुटों की तरफ से जुबानी हमले हुए। एकनाथ शिंदे ने आजाद मैदान में कहा कि उद्धव ने बाल ठाकरे की हिंदुत्व विचाराधारा को दफना दिया। वे जरूरत पड़ने पर हमास से भी गठबंधन कर सकते हैं।

शिंदे के इस बयान पर शिवसेना (यूबीटी) भड़क गई हैं तो वहीं दूसरी ओर उद्धव ठाकरे ने शिवसेना से बगावत करने वालों की तुलना रावण से की और खोखासुर (रुपये में बिकने वाले) वालों ने रावण जैसा कृत्य किया। उसने मां सीता का अपहरण किया था। इन लोगों पहले शिवसेना को हाईजैक किया फिर धनुष वाण भी लेकर गए लेकिन जिस तरह से हनुमान जी ने रावण की सोने की लंका जलाई थी उसी प्रकार से

» सीएम के बयान से भड़की शिवसेना-यूबीटी

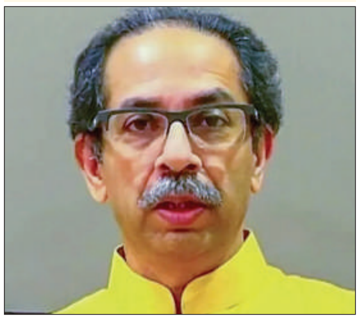

हमारे पास धधकती हुई मशाल (शिवसेना उद्धव बाला साहब ठाकरे का चुनाव चिन्ह) है। जो जलाकर खाक कर देगी। ऐतिहासिक शिवाजी पार्क में उद्धव ने अपने भाषण में यूं तो एकनाथ शिंदे समेत छोड़ कर गए नेताओं पर कई हमले बोले लेकिन सोशल मीडिया में उनके कमला पसंद वाले बयान की खूब चर्चा हो रही है। पिछली बार उद्धव ठाकरे ने एकनाथ शिंदे को बगावत करने पर उनकी तुलना कटप्पा के की थी। तब शिंदे ने कहा था कि हर किसी का आत्मसम्मान होता है। कटप्पा का भी। इस बार उद्धव ठाकरे ने अलग तरीके से शिंदे को निशाने पर लेते बीजेपी पर कड़ा वार किया है। बाल ठाकरे बीजेपी को कमली बाई (कमल वाली पार्टी बोलते थे)। उद्धव ठाकरे ने अपने भाषण में आपने वो अजय देवगन, शाहरुख खान और अक्षय कुमार वाला विज्ञापन देखा होगा। वे दो उंगली उठाकर कमला पंसद का प्रचार करते हैं। उन्हें कमला पसंद है। तो इनको (शिंदे समर्थकों और अजित समर्थकों) को कमल पसंद है। लोगों की अपनी-अपनी पसंद है।

विश्वकप : मैक्सवेल के बाद जम्पा ने मचाई तबाही

» ऑस्ट्रेलिया ने नीदरलैंड्स को 309 रनों से रौंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 के 24वें मैच में ऑस्ट्रेलिया ने नीदरलैंड को 309 रन से रौंदा। कंगारू गेंदबाजों के आगे नीदरलैंड का बैटिंग ऑर्डर बुरी तरह से फ्लॉप रहा और पूरी टीम महज 90 रन बनाकर सिमट गई। एडम जम्पा की स्पिन का जादू सिर चढ़कर बोला और उन्होंने 3 ओवर के स्पेल में सिर्फ 8 रन खर्च करते हुए चार विकेट झटके। शर्मनाक हार के साथ नीदरलैंड की टीम ने एक अनचाहे रिकॉर्ड को भी अपने नाम कर लिया है।

दरअसल, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए मुकाबले में नीदरलैंड के बल्लेबाज एक भी छक्का लगाने में नाकाम रहे। आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 में ऐसा करने वाली नीदरलैंड तीसरी टीम बनी है। इससे पहले पाकिस्तान की टीम भारत के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए मुकाबले में एक भी सिक्स नहीं लगा सकी थी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया खुद साउथ अफ्रीकी के खिलाफ एक भी छक्का नहीं लगा पाई थी। टॉस जीतने के बाद बैटिंग करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवर में 8 विकेट खोकर 399 रन स्कोर बोर्ड पर लगाए। टीम की ओर से ग्लेन मैक्सवेल ने वर्ल्ड कप इतिहास का सबसे तेज शतक जमाते हुए 44 गेंदों पर 106 रन की तूफानी पारी खेली। वहीं, डेविड वॉर्नर ने 104 रन कूटे, तो स्टीव स्मिथ ने भी अर्धशतक जमाया। 400 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड की पूरी टीम महज 90 रन पर ऑलआउट हो गई। एडम जम्पा ने कहर बरपाते हुए चार विकेट झटके।

पंड्या नहीं खेल पाएंगे तीन मैच

टीम इंडिया के उप-कप्तान हार्दिक पंड्या को मौजूदा आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप में पुणे में बांग्लादेश के खिलाफ खेल के दौरान टखने में चोट लग गई। चोट, जो पहले इतनी गंभीर नहीं थी, के कारण यह ऑलराउंडर तीन नहीं तो कम से कम दो गेम से चूक सकता था। ऐसा लगता है कि टीम इंडिया के उप-कप्तान हार्दिक पंड्या पिछले हते पुणे में बांग्लादेश के खिलाफ आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 के खेल में टखने की चोट के बाद लंबे समय तक बाहर रह सकते हैं।

राजस्थान में ईडी की छापेमारी से मचा सियासी घमासान

» कांग्रेस ने भाजपा पर लगाया आमजन के अपमान का आरोप

» प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा के घर रेड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में विधान सभा चुनाव नजदीक है। ऐसे में ईडी की राजस्थान में कार्रवाई से हडकंप मच गया है। इस छापेमारी के बाद सियासत भी गरमा गई है। कांग्रेस भाजपा पर हमलावर हो गई है। ईडी ने राजस्थान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के ठिकानों पर सुबह रेड मारी तो दूसरी तरफ सीएम गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को ईडी में पेश होने का समन जारी किया गया। उन्हें ईडी के सामने पेश होना पड़ेगा। मुख्यमंत्री गहलोत ने ट्विट कर इसकी जानकारी दी।

वहीं कांग्रेस में शामिल होने के बाद ही हुडला भी ईडी के निशाने पर आए हैं। पेपर लीक मामले को भाजपा सांसद किरोड़ीलाल लगातार उठा रहे हैं। हुडला और किरोड़ी को एक-दूसरे का धुर विरोधी माना जाता है। वहीं सीएम ने कहा कि वह मोदी सरकार के इन गलत तरीकों के आगे झुकेंगे नहीं और राज्य को आगे बढ़ाते रहेंगे।

» सीएम अशोक गहलोत बोले- डराने से डरने वाला नहीं

फेमा मामले में सीएम अशोक गहलोत के बेटे वैभव को समन

राजस्थान विधानसभा चुनाव के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को ईडी का समन भेजा गया है। फेमा मामले में ईडी ने वैभव गहलोत को समन भेजा है। ईडी ने वैभव गहलोत को पूछताछ के लिए समन भेजा है। हालांकि यह साफ नहीं हो पाया है कि वैभव को ईडी ने पूछताछ के लिए किस दिन बुलाया है। अभी तक औपचारिक जानकारी नहीं है कि वैभव गहलोत से किस दिन पूछताछ होगी। बताया जा रहा है कि वैभव गहलोत के खिलाफ पिछले कुछ दिनों से तफ्तीश की जा रही है। यह समन मनी लॉन्ड्रिंग का नहीं बताया जा रहा है।

भाजपा नहीं चाहती राजस्थान का विकास : सीएम गहलोत

सीएम गहलोत ने कहा कि राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह जी डोटासरा के यहां ईडी की रेड और मेरे बेटे वैभव गहलोत को ईडी में हाजिर होने का समन आया है। अब आप समझ सकते हैं, जो मैं कहता आ रहा हूं कि राजस्थान के अंदर ईडी की रेड रोज इसलिए होती है क्योंकि भाजपा ये नहीं चाहती कि राजस्थान में महिलाओं को, किसानों को, गरीबों को कांग्रेस की ओर से दी जा रही गारंटियों का लाभ मिल सके। दोपहर को गहलोत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई है। इसमें ईडी के छापों को लेकर वह बयान दे सकते हैं।

पेपर लीक मामले में डोटासरा के घर ईडी के छापे

प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार सुबह प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के ठिकानों पर छापे मारे हैं। पेपर लीक प्रकरण में ईडी की टीम ने डोटासरा के सिविल लाइंस स्थित सरकारी आवास पर दबिश दी। एक टीम उनके निजी आवास सीकर भी पहुंची। हाल ही में कांग्रेस की सदस्यता ले चुके निर्दलीय विधायक ओम प्रकाश हुडला पर भी ईडी का एक्शन हुआ है। हुडला को कांग्रेस ने महुआ से अपना प्रत्याशी बनाया है। डोटासरा के सीकर और जयपुर आवास पर छापे मारे हैं। ईडी ने कुल 12 स्थानों पर कार्रवाई की है। जयपुर में तीन और सीकर में दो ठिकाने शामिल हैं।

टीम इंडिया अंग्रेजों को फतह करने पहुंची नवाबों के शहर

फोटो: सुमित कुमार

लखनऊ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। एयरपोर्ट से बाहर निकलते विराट कोहली, रोहित शर्मा, मो.सिराज, जसप्रीत बुमराह व सूर्यकुमार यादव। भारतीय टीम आज शाम को इकाना स्टेडियम में अभ्यास करेगी। वहीं इंग्लैंड की टीम के 27 अक्टूबर को लखनऊ पहुंचने की संभावना है। जोस बटलर की टीम 28 को पसीना बहाएगी।

हैदराबाद में लाइव डिबेट में भिड़े बीआरएस और बीजेपी उम्मीदवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना में बाहर का मौसम ठंड से कंपकंपा रहा है तो विधानसभा चुनाव की गर्मी बढ़ रही है। एक ओर जहां नेता मैदानी स्तर पर प्रचार कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर उन्हें जो भी मंच मिल रहा है, वहां से वे अपने विरोधियों की आलोचना और आरोप लगा रहे हैं। कुछ अन्य लोग भी चुनौतियां दे रहे हैं।

हालांकि, गौर करने वाली बात यह है कि यह सब किसी ने भी आमने-सामने नहीं किया है। हालांकि, चुनाव के दौरान एक न्यूज चैनल की ओर से आयोजित खुली बहस में प्रमुख दलों के उम्मीदवार न सिर्फ एक मंच साझा कर रहे हैं, बल्कि क्षेत्र की जनता को यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि उन्होंने क्या किया है और क्या करने जा रहे हैं। इसी क्रम में.. एक दिलचस्प मामला हुआ। दोनों नेता लड़ते रहे और लोग देखते रहे। इनमें से एक बीआरएस पार्टी से मौजूदा विधायक है और दूसरा बीजेपी का पूर्व विधायक हैं।

» भड़कते हुए पकड़ा गला

फिर सामने आई रेलवे की लापरवाही, टला बड़ा रेल हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» टूटी हुई पटरी पर सरपट भाग रही थी अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस, ट्रैक मेंटेनर की सूझबूझ से बची हजारों की जान

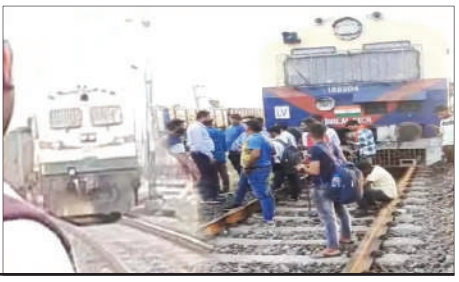

अहमदाबाद। बीते कुछ दिनों से ट्रेन हादसों का सिलसिला लगातार बना हुआ है। इसी क्रम में आज अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस भी दुर्घटनाग्रस्त हो जाती अगर ट्रैक मेंटेनर ने सही वक्त सूझबूझ नहीं दिखाई होती। रेल पटरी की पेट्रोलिंग के दौरान जैसे ही उनकी नजर टूटी हुई पटरी पर पड़ी तो उसी तरफ आ रही ट्रेन को उन्होंने लाल झंडी दिखाकर रोका। इससे उक बड़ा हादसा होने से टल गया। चक्रधरपुर रेल मंडल के टुनिया रेलवे स्टेशन के पास टूटी हुई पटरी।

बताया जा रहा है कि रेलवे ट्रैक मेंटेनर के द्वारा रेल पटरी की पेट्रोलिंग की जा रही थी। इसी दौरान ट्रैक मेंटेनर ने टुनिया स्टेशन के पास रेल पटरी पर दरार देखी। सामने जाकर देखा गया तो पटरी क्रेक होकर अलग हो चुकी थी।

इसी दौरान उसी पटरी पर अहमदाबाद हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन आ रही थी। ट्रैक मेंटेनर ने बिना देर किये अहमदाबाद हावड़ा ट्रेन को लाल झंडी दिखाकर रोक दिया, जिसके कारण कुछ समय के लिए अहमदाबाद हावड़ा एक्सप्रेस टुनिया रेलवे स्टेशन में रुकी रही। उसके बाद धीरे-धीरे अहमदाबाद हावड़ा ट्रेन को पार किया गया। दरअसल ठण्ड के मौसम में पटरियों में फ्रेक्चर और दरार पड़ने की घटना बढ़ जाती है इसलिए रेलवे के द्वारा सचेत होकर रेल पटरियों की पेट्रोलिंग मंडल में की जा रही है। ट्रैक मेंटेनर ने सही समय पर पटरी पर फ्रैक्चर देखकर सामने से आ रही ट्रेन को रोक दिया। नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था।

कर्नाटक में दर्दनाक सड़क हादसा, 12 की मौत

» चिकबल्लपुर के नेशनल हाईवे में टैंकर से टकराई एसयूवी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक में चिकबलपुर के नेशनल हाईवे 44 में ट्रैफिक पुलिस स्टेशन के पास एक एसयूवी और टैंकर के बीच टक्कर में 12 लोगों की मौत हो गई। एसयूवी बागेपल्ली से चिक्काबल्लापुर की ओर जा रही थी, तभी वाहन चालक ने खड़े टैंकर में टक्कर मार दी। मरने वाले 12 यात्रियों में चार महिलाएं भी शामिल हैं। वहीं इस हाजसे में एक यात्री बुरी तरह से घायल भी हुआ है। फिलहाल उसका इलाज पास के अस्पताल में जारी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह दुर्घटना चिक्कबल्लापुर जिला मुख्यालय शहर के बाहरी इलाके में हुई।

यह हादसा गुरुवार सुबह 7 बजकर 15 मिनट पर एनएच 44 पर चित्रावती ट्रैफिक पुलिस स्टेशन के ठीक सामने हुआ। इस घटना में 12 की मौत और एक गंभीर रूप से घायल हुआ है, मरने वालों में 8 पुरुष और 4 महिलाएं शामिल हैं, एनएच 44 पर एक खड़े टैंकर में सामने से आ रही टाटा सूमो ने टक्कर मार दी, टैंकर और सूमो की टक्कर के बाद घायलों को अस्पतालों में भर्ती करवाया गया था, जहां उनकी मौत हो गई। सूत्रों के मुताबिक, घने कोहरे की वजह से कार ड्राइवर सड़क किनारे खड़े टैंकर को देख नहीं सका और उनमें जाकर भिड़ गया। एसपी चिक्कबल्लापुर ने घटना की जानकारी देते हुए कहा, आज सुबह 7:15 बजे एनएच 44 (बैंगलोर-हैदराबाद) हाईवे पर चिक्कबल्लापुर के पास एक सड़क दुर्घटना 1021 नंबर की टाटा सूमो ने 1954 नंबर के टैंकर को पीछे से टक्कर मार दी। टाटा सूमो में सवार 12 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज चिक्कबल्लापुर जनरल अस्पताल में किया जा रहा है। हम पीड़ितों, ड्राइवरों और घटना में शामिल वाहनों के बारे में जानकारी इकट्ठा कर रहे हैं। हादसे की वजह का अभी पता नहीं चला है।

महाराष्ट्र के बीड में बस पलटने से पांच की गई जान, 22 घायल

दुर्घटना सुबह पौने छह बजे से छह बजे के बीच आष्टा फाटा में उस समय हुई, जब बस मुंबई से बीड की ओर जा रही थी। पुलिस ने बताया कि बस की रफ्तार तेज थी और इसके चालक ने वाहन पर से स्पष्ट रूप से नियंत्रण खो दिया जिसके कारण यह हादसा हुआ। महाराष्ट्र के बीड जिले में बृहस्पतिवार सुबह एक तेज रफ्तार निजी बस पलट जाने से उसमें सवार पांच लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना सुबह पौने छह बजे से छह बजे के बीच आष्टा फाटा में उस समय हुई, जब बस मुंबई से बीड की ओर जा रही थी। पुलिस ने बताया कि बस की रफ्तार तेज थी और इसके चालक ने वाहन पर से स्पष्ट रूप से नियंत्रण खो दिया जिसके कारण यह हादसा हुआ।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।